दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हाथरस में हाहाकार

सत्संग के दौरान भगदड़...120 से ज्यादा लोगों की मौत

अस्पताल में लगा शवों का ढेर, तड़पते लोग और अपनों को खोने का गम

कौन है भोले बाबा?

भोले बाबा एटा जिले की पटयाली तहसील के बहादुर नगरी गांव का रहने वाला है। 26 साल पहले सरकारी नौकरी छोड़कर प्रवचन शुरू किया था। उसका असली नाम नारायण साकार हरि है। एक प्रवचन में बताया था कि वह गुप्तचर ब्यूरो में पदस्थ थे। बाबा के ज्यादातर अनुयायी पश्चिम यूपी, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड में हैं।

एजेंसी । हाथरस

यूपी के हाथरस में दर्दनाक हादसा हुआ है। रतिभानपुर में आयोजित स्वयंभू संत भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई। इसकी वजह से अभी तक 116 लोगों की मौत की सूचना है। कई लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे भी हैं। पीएम मोदी और सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। सीएम योगी ने दुख जताने के साथ ही अधिकारियों को कई निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम योगी बुधवार को खुद हाथरस आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने हादसे का संज्ञान लिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीजी आगरा जोन व कमिश्नर अलीगढ़ को घटना की जांच का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार हाथरस रवाना हो गए। वहीं अखिलेश यादव ने सरकार पर हादसे के लिए जिम्मेदार कहा है।

पीएम ने सीएम योगी से की बात

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाथरस में हुए दुखद हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। यूपी सरकार सभी पीड़ितों की हर संभव सहायता में जुटी हुई है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने इसमें अपने प्रियजनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री ने जताया दु:ख

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में संबोधन रोककर मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्ति की। कहा, प्रशासन बचाव कार्य में जुटा हुआ है। यूपी सरकार भी लगातार संपर्क में है। हादसे के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापित कर रहे थे।

राहुल ने संवेदना व्यक्त की

हाथरस हादसे में कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, संवेदनशीलता के साथ सरकार को लोगों की मदद करनी चाहिए। मैं उन सभी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

लाशों का ढेर देख आरक्षक को आया हार्ट अटैक

एटा मेडिकल कॉलेज में शवों के ढेर देखकर ड्यूटी पर तैनात सिपाही रवि यादव (30) को हार्ट अटैक आ गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। वह मूल रूप से अलीगढ़ के रहने वाले थे। साथ ही QRT अवागढ़ में तैनात थे। मेडिकल कॉलेज में उन्हें आपात ड्यूटी पर बुलाया गया था। इतनी लाशें देखकर सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके।

रिटायर्ड DGP विक्रम सिंह बोले-बाबा पर हो FIR

रिटायर्ड डीजीपी विक्रम सिंह ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, बाबा के खिलाफ एफआईआर होना चाहिए। वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। यौन उत्पीड़ना सहित उसके खिलाफ 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

रानी बाग में दो साल में 71 पक्षियों की मौत

मुंबई। भायखला स्थित मुंबई मनपा के वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान में पिछले 2 वर्ष में 71 पक्षियों की कई वजह से मृत्यु हो गई। इस मामले में उद्यान के अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा उद्यान में मौजूद पशु पक्षियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाता रहा है। इसके लिए पूर्णकालिक पशु चिकित्सक की नियुक्ति भी की हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदस्य यामिनी जाधव के सवाल के जवाब में यह लिखित जवाब दिया है। लिखित जवाब में कहा गया है कि केंद्रीय प्राणी संग्रहालय प्राधिकरण, दिल्ली के मानकों के अनुसार सभी पशु पक्षियों के स्वास्थ्य का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। उन्हें नियमित आहार के बारे में भी उद्यान के कर्मचारियों को बताया गया है। जवाब में कहा गया है कि रानी बाग उद्यान से मिली जानकारी के मुताबिक अप्रैल 2022 से अप्रैल 2024 के बीच 71 पक्षियों की वृद्धापन, रक्तस्राव और बीमारियों से मौत हुई है।

छोटे शहरों से मुंबई के लिए विमान सेवा शुरू करने की मांग

मुंबई/नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण ने महाराष्ट्र के छोटे शहरों से सीधे मुंबई के लिए विमान सेवा शुरू करने और इसके लिए मुंबई एयरपोर्ट पर स्लॉट उपलब्ध कराने की मांग सरकार से की है। मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भाग लेते हुए उन्होंने यह मांग उठाई। सांसद चव्हाण ने चर्चा के दौरान कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण किसानों को काफी नुकसान सहना पड़ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की दर में 65 से 185 प्रतिशत तक वृद्धि की है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता के चलते किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संविधान बदलने के नैरेटिव को झूठा बताया। भाजपा सांसद ने 1973 के ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के हवाले से कहा कि संविधान के मूल ढांचे को बदलने का अधिकार संसद को भी नहीं है।

यदि आपको
दो बजे दोपहर
अख़बार में विज्ञापन देना हो तो संपर्क करें
9892161162

सर्राफा

चांदी (.999)	97,700
सोना स्टैंडर्ड	74,455

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	30.0-24.0	73%

सूर्यास्त	बुधवार	07:20 बजे
सूर्योदय	गुरुवार	06:05 बजे

अभद्र भाषा के लिए दानवे विधानसभा से पांच दिन के लिए निलंबित

हंगामे की वजह से कार्यवाही बाधित

नितिन तोरस्कर । मुंबई

महाराष्ट्र में विधान परिषद की कार्यवाही तीन बार मंगलवार को स्थगित की गई। भाजपा सदस्य प्रवीण दारेककर ने विपक्ष के नेता अंबादास दानवे के बीते रोज अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई थी। इस मुद्दे पर चर्चा करने की मांग की थी। लेकिन स्थिति अराजक होने के कारण कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। विपक्ष के नेता अंबादास दानवे को सदन में कथित दुर्व्यवहार के कारण पांच दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। महाराष्ट्र में विधान परिषद कार्यवाही के दौरान विपक्षी नेता अंबादास दानवे के अभ्रद भाषा का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई। भाजपा नेता का आरोप है कि विपक्षी नेता ने सदन ने राहुल गांधी के हिंदू वाली टिप्पणी पर बात करते हुए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने सोमवार को परिषद में गांधी की टिप्पणी का मुद्दा उठाया। उन्होंने राहुल गांधी की टिप्पणी की निंदा की। साथ ही प्रस्ताव की मांग की। इस पर विपक्षी नेता अंबादास दावने प्रतिक्रिया दी।

अभ्रद भाषा के प्रयोग पर चर्चा की मांग

मंगलवार को जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो भाजपा सदस्य प्रवीण दरेकर ने विपक्षी नेता दानवे के कथित अभ्रद भाषा के प्रयोग पर चर्चा की मांग की। परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे ने दारेकेर से प्रश्नकाल पूरा होने देने का आग्रह किया। लेकिन भाजपा के दारेककर ने सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विधान परिषद की पवित्रता को बनाए रखने की जरूरत है।

मामला गंभीर है : उपसभापति

वहीं उपसभापति नीलम गोरहे ने कहा कि यह मामला गंभीर है, उनकी टिप्पणी के वीडियो क्लिप की समीक्षा करने और अन्य विवरण एकत्र करने के बाद ही कोई निर्णय लिया जा सकता है। हालांकि, दारेककर ने नरमी बरतने से मना करते हुए असहमति व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि दानवे ने न केवल सदन में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, बल्कि मीडिया से भी इस बारे में बात की। यह उनके व्यवहार की गंभीरता पर सवालिया निशान खड़ा करता है। उन्होंने बोलने के अपने अधिकार का दावा किया और सदन की कार्यवाही को बाधित करने की धमकी दी। उपसभापति ने गोरहे ने शुरू में इसे एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया। बाद में कार्यवाही फिर से शुरू होने पर, इसी मुद्दे पर सदन में अराजक दृश्य देखने मिले। जिसके बाद उपसभापति ने इसे दोपहर 2 बजे तक के लिए दो बार स्थगित कर दिया। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे को सदन में कथित दुर्व्यवहार के कारण पांच दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

उद्धव ठाकरे ने निलंबन को बताया पूर्व नियोजित साजिश

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे को निलंबित करने का फैसला एकतरफा और पूर्व नियोजित साजिश है। ठाकरे ने कहा कि निलंबित किए जाने से पहले दानवे को अपना पक्ष रखने का कोई मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख के तौर पर अगर दानवे की टिप्पणी से महिलाओं को ठेस पहुंची है तो वे इसके लिए माफी मांगते हैं। लेकिन उन्होंने पूछा कि सदन के बाहर ऐसी टिप्पणी करने वाले भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, ₹दानवे को निलंबित करने के प्रस्ताव पर चर्चा की जरूरत थी, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुई।₹ उन्होंने कहा कि विधान परिषद चुनावों में उनकी पार्टी की जीत को छुपाने के लिए निलंबन किया गया। शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अनिल परब और जगन्नाथ अभ्यंकर ने क्रमश: मुंबई स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की। ठाकरे ने आरोप लगाया, ₹दानवे को निलंबित करने की साजिश एक सुनियोजित साजिश थी।₹ उन्होंने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, ₹सरकार जो भी करते हैं वह लोकतंत्र है और विपक्ष जो भी करता है वह अपराध है।₹ उन्होंने कहा कि निलंबन ऐसे समय में किया गया जब विपक्ष ने राज्य के बजट का विश्लेषण करना शुरू कर दिया था।

पुणे में फैल रहा जीका वायरस

6 केस सामने आए, डॉक्टर और उसकी बेटी पॉजिटिव मिली

दोपहर संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस के छह मामले सामने आए हैं। इनमें दो प्रेग्नेंट महिलाएं भी हैं। इसकी जानकारी होते ही स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि पुणे के एरंद्वाने और मुंधवा में जांच के दौरान 6 मरीजों में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला एरंद्वाने में सामने आया है। यहां 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट जीका पॉजीटिव आई है। वहीं डॉक्टर की 15 साल की बेटी भी संक्रमित पाई गई है। साथ ही मुंधवा से भी दो मामले सामने आए हैं, इनमें एक 47 वर्षीय महिला और 22 वर्षीय युवक शामिल हैं।

केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जीका वायरस से संक्रमित सभी 6 मरीजों के स्वास्थ्य पर डॉक्टर नजर रखे हुए हैं। इन मरीजों में शरीर पर लाल चिकत्ते पड़ना, बुखार और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण देखे गए हैं। इनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, किसी व्यक्ति में जीका वायरस का संक्रमण एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह वायरस इसलिए भी ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि यह एक से दूसरे में फैलता रहता है। हालांकि, शुरुआत में इस वायरस से संक्रमित मरीज में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं।

जीका वायरस कब आया?

1947 में इस वायरस का पहला केस सामने आया। युगांडा में बंदरों में इस वायरस का संक्रमण देखने को मिला था। हालांकि, इंसानों में जीका का पहला केस 1952 में सामने आया था। बीते कुछ सालों में अलग-अलग देशों में जीका के केस देखने को मिले हैं। अक्टूबर 2015 से जनवरी 2016 के बीच ब्राजिल में जीका के हजारों मामले सामने आए। इस देश में 4000 बच्चों में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

'आरक्षण के संघर्ष में एकजुट हों या विस चुनाव में परिणाम भुगतें'

दोपहर संवाददाता । मुंबई/जालना

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को अपने समुदाय के विधायकों और सांसदों से आग्रह किया कि वे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत आरक्षण के संघर्ष में एकजुट हों, अन्यथा आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। जरांगे ने पत्रकारों से बातचीत में आरक्षण की मांग की वकालत करते हुए छह से 13 जुलाई तक महाराष्ट्र के हर जिले में शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने की योजना की रूपरेखा बतायी।

जरांगे ने मराठा नेताओं से की अपील

महाराष्ट्र के मंत्री शंभुराज देसाई ने मंगलवार को कहा कि सरकार जालना पुलिस ने इस दावे पर एक रिपोर्ट मांगेगी कि मराठा आरक्षणवादी कार्यकर्ता मनोज जरांगे का गांव ड्रोन निगरानी में है। मंत्री ने विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार द्वारा उठायी गयी चिंताओं का जवाब देते हुए विधानसभा में कहा कि यदि जरूरत महसूस हुई तो इन कार्यकर्ता की सुरक्षा भी बढ़ायी जाएगी।

स्वर्ण मंदिर की तर्ज पर म्हाड में होगा पानी का शुद्धिकरण

रायगड। रायगड जिले के महाड़ शहर के चवदार तालाब के पानी को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के पानी को शुद्ध करने की तर्ज पर एक योजना के तहत पानी शुद्धिकरण की योजना जल्द ही लागू की जाएगी। इस योजना के लिए 65 करोड रुपए और तालाब क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड रुपए की अतिरिक्त राशि मंजूर की जाएगी। इस प्रस्ताव के तहत सभी विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। मंत्री उदय सामंत ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य संजय गायकवाड के प्रश्न का जवाब दिया। चर्चा में सदस्य बालासाहेब थोरात, विजय वडेट्टीवार, नितिन राऊत और अनिल देशमुख ने हिस्सा लिया। सामंत ने कहा कि चवदार तालाब के पानी को शुद्ध करने के लिए ऑर्गेनिक बायोटेक कंपनी वर्तमान में हर महीने माइक्रोबॉयल कल्चर का मिश्रण तालाब में छिड़क कर पानी को शुद्ध कर रही है।

DRP जल्द ही धारावी में बनाएगी सैंपल फ्लैट्स

दीपक पवार । मुंबई

एक तरफ धारावी के नागरिकों द्वारा बायोमेट्रिक सर्वे का विरोध, दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जल्द ही विधानसभा चुनाव का मास्टर प्लान घोषित किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मास्टर प्लान तैयार करने का काम अंतिम चरण में है और जल्द ही धारावी में सैंपल फ्लैट का निर्माण किया जाएगा। धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) और अडानी समूह धारावी में केवल बायोमेट्रिक सर्वेक्षण का विरोध कर रहे हैं। लोगों को अभी भी यह समझ में नहीं आ रहा है कि डीआरपी क्या कर रही है, इसकी स्पष्टता अभी भी नजर नहीं आ रही है कि कनोसा डीआरपी और डीआरपीपीएल ने जोखिम उठाया है। इस डर ने अब डीआरपीपीएल और डीआरपी के काम में तेजी ला दी है। धारावी का मास्टर प्लान तैयार करने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यह मास्टर प्लान भारत और दुनिया भर के हाई-प्रोफाइल योजनाकारों और डिजाइनरों द्वारा किया जा रहा है।

राजनीति › मिलिंद नार्वेकर विधान परिषद के लिए भरा परचा

महाराष्ट्र में 'महायुति' का टेंशन बढ़ा

धीरज सिंह । मुंबई

लोकसभा चुनाव के नतीजों से गदगद महा विकास अघाड़ी ने विधान परिषद् चुनाव में अतिरिक्त उमीदवार उतारकर सत्ताधारी महायुति का टेंशन को बढ़ा ही है। साथ ही साथ चुनाव को और रोचक बना दिया है। दरअसल, मामला ये है कि उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर ने विधान परिषद् चुनाव का परचा भर दिया है। यह चुनाव 12 जुलाई को होने जा रहा है।

कौन हैं मिलिंद नार्वेकर?

मिलिंद नार्वेकर शिवसेना (UBT) पार्टी के ना केवल सचिव है बल्कि पार्टी के एक अहम् राजनीतीकार भी मने जाते है। नार्वेकर के मैदान में उतरने से मामला इस लिए दिलचस्प हो गया है क्योंकि खाली सीटों की संख्या सिर्फ 11 है जबकि उन्हें मिलाकर कुल 12 प्रत्याशी हो गए है।

बीजेपी ने 5 प्रत्याशियों को उतारा है

बीजेपी ने चुनाव में 5 प्रत्याशी उतारे हैं। बीजेपी के पास विधायकों की संख्या को देखते हुए उनके सभी उमीदवारो की जीत तय मानी जा रही है। बीजेपी उम्मीदवारों में प्रमुख नाम पंकजा मुंडे का है, पंकजा मुंडे लोकसभा का चुनाव हार गई थीं। ऐसे में विधानपरिषद के जरिए उन्हें राजनीति में फिर से एंट्री करवाई जा रही है। एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी ने भी दो-दो उमीदवार मैदान में उतरे है ।शिंदे की शिवसेना के दो उमीदवार पार्टी के संख्या बल को देखते हुए जित सकते है लेकिन मुश्किल अजित पवार के लिए है उनका एक उमीदवार तो जित सकता है लेकिन दूसरे उमीदवार के लिए 4 वोट कम पड़ रहे है। ये तो सत्ताधारी गठबंधन महायुति के उमीदवारो की बात अब आइये बात करते है विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के उमीदवारो की।

अब क्या होगा? : सीट से अधिक उमीदवार होने का मतलब है कि चुनाव होना तय है ।चूंकि विधान परिषद् के चुनाव गुप्त मतदान के जरिये होना है इसलिए क्रॉस वोटिंग की भी आशंका बनी रहती है। कई मौकों पर ऐसा देखा गया है कि अतिरिक्त उम्मीदवार भी चुनाव जीत जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या है 288, लेकिन कुछ विधायकों के निधन और कुछ के इस्तीफे की वजह से संख्या घटकर 274 हो गई है। इसलिए हर उमीदवार को जीत के लिए 23 वोट की दरकार है।

MVA के उम्मीदवार : MVA में सबसे बड़े दल कांग्रेस ने अपनी और से एक उमीदवार मैदान में उतरा है कांग्रेस के पास मौजूद विधायकों की संख्या को देखते हुए उसकी जीत तय मानी जा रही है। ।कांग्रेस के पास अतिरिक्त 14 वोट है, जबकि शरद पवार की पार्टी ने पिसेंट एंड वर्कर्स पार्टी के उमीदवार जयंत पाटिल को समर्थन देते हुए अपना उमीदवार बनाया है। शरद पवार के पास 12 वोट है। इन्हें जीत के लिए 23 वोटो की जरुरत है।

'लड़की बहिन योजना'

सरकार ने बढ़ाई आयु सीमा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार की महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता योजना 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' में आयु सीमा बढ़ाकर 65 वर्ष कर दी गई है। विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन महिलाओं के परिवार के पास सरकारी भूखंड है, उनके लिए शर्त हटा दी गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए राज्य के बजट में घोषित इस योजना का उद्देश्य 21-60 आयु वर्ग की विवाहित, तलाकशुदा और बेसहारा महिलाओं को 1,500 रुपए की मासिक सहायता देना है। शिंदे ने कहा कि लाभार्थियों की आयु सीमा पहले के 60 वर्ष के बजाए 65 वर्ष कर दी गई है, जबकि जिन महिलाओं के परिवार के पास कृषि भूमि है, उनके लिए पात्रता मानदंड को समाप्त कर दिया गया है।

कृषि भूमि की शर्त हटाई

शिंदे ने झूठी बातें फैलाने का लगाया आरोप

शिंदे ने विपक्षी दलों पर सरकार के खिलाफ झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आप हर समय लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते।'' उन्होंने लाभार्थी महिलाओं से कहा कि वे योजना के वास्ते पंजीकरण कराने के लिए अधिकारियों को रिश्वत न दें।

सलमान खान को मूसेवाला की तरह मारना चाहता था लॉरेंस बिश्नोई

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने आरोप पत्र के हवाले से मंगलवार को बताया कि आरोपियों ने सलमान पर फिल्म शूटिंग के दौरान हमला करने का प्लान बनाया था। मामले की जांच के दौरान पता चला कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने अपनी गैंग के सदस्यों को अभिनेता पर हमला करने के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी दी थी। साथ ही सलमान की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 60 से 70 सदस्यों को तैनात किया गया था।

आरोप पत्र से हुआ खुलासा

सलमान के फार्महाउस पर भी हमले की थी साजिश

अधिकारी ने बताया कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, उसके भाई अनमोल बिश्नोई, संपत नेहरा और गोल्डी बराड़ को मामले में वांछित आरोपी बनाया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस हमले को किसी फिल्म की शूटिंग के दौरान या अभिनेता के पनवेल स्थित फार्महाउस से निकलने के दौरान अंजाम देने की कथित साजिश थी। उन्होंने बताया कि आरोप पत्र में साजिश, हमले और भागने के रास्ते का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसमें एकत्रित खुफिया जानकारी, आरोपियों के मोबाइल फोन रिकॉर्ड, उनके व्हाट्सएप चैट, ऑडियो और वीडियो कॉल और टावर लोकेशन का विश्लेषण शामिल है। अधिकारी ने बताया कि अप्रैल में पनवेल टाउन पुलिस ने बिश्नोई गैंग के सदस्यों द्वारा अभिनेता की हत्या की कथित साजिश का पर्दाफाश किया था। पुलिस की जांच के दौरान इस साजिश का पता चला। जांच के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अजय कश्यप और एक अन्य आरोपी के बीच वीडियो कॉल पर हुई बातचीत का पता चला था जिससे इस षडयंत्र का खुलासा हुआ।

हमले के लिए मुंबई-ठाणे समेत कई शहरों में शार्पशूटर तैनात

बातचीत के अनुसार, गोल्डी बराड़ के आदेश पर आधुनिक हथियार चलाने में प्रशिक्षित शार्पशूटर मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पुणे, रायगढ़ और गुजरात में तैनात किए गए थे। अधिकारियों ने पिछले महीने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया था कि शार्पशूटर अनमोल बिश्नोई और रोहित गोदारा को हमला करने के निर्देश बराड़ ने दिए थे और इस कार्य के लिए 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिगों का इस्तेमाल करना था।

हमले के लिए पाकिस्तान से लाए जाने वाले थे हथियार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गैंग ने हमले के लिए एके-47 सहित पाकिस्तान से अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करने का षडयंत्र रचा था। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई की पनवेल टाउन पुलिस ने 21 जून को पांच गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मजिस्ट्रेट अदालत में 350 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि ये आरोपी धनंजय तपसिंह उर्फ अजय कश्यप (28), गौतम भाटिया (29), वासपी महमूद खान उर्फ चीना (36), रिजवान हुसैन उर्फ जावेद खान (25) और दीपक हवासिंह उर्फ जॉन (30) हैं।

हत्या की साजिश के मामले में 17 पर मामला दर्ज

सलमान खान की हत्या की साजिश के बारे में विशेष जानकारी मिलने के बाद 24 अप्रैल को पनवेल टाउन थाने में 17 आरोपियों और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी के मुताबिक, पुलिस को अजय कश्यप और पाकिस्तान में बैठे व्यक्ति डोगर के बीच हुई वीडियो कॉल का पता चला। यह कॉल कश्यप ने एक सदस्य की मौजूदगी में की थी जो बाद में पुलिस का मुखबीर बन गया।

सलमान पर हमले के बाद श्रीलंका भागने वाले थे आरोपी

अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद गैंग के सदस्यों को कन्याकुमारी में फिर से इकट्ठा होना था और फिर समंदर के रास्ते श्रीलंका जाना था। कनाडा में बैठे अनमोल बिश्नोई ने श्रीलंका से उनके अन्य देशों में भागने की व्यवस्था की थी। पुलिस के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई और संपत नेहरा गैंग ने सलमान खान की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 60 से 70 सदस्यों को तैनात किया था, ताकि उनके बांद्रा स्थित आवास, पनवेल स्थित फार्महाउस और फिल्म शूटिंग स्थलों की टोह ली जा सके।

पुलिस भर्ती परीक्षा

उत्तेजक पदार्थ का इस्तेमाल करने को लेकर चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस भर्ती प्रक्रिया के लिए शारीरिक परीक्षा के दौरान उत्तेजक पदार्थ का इस्तेमाल करने की कोशिश के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यहां मीरा भायंदर इलाके में 24 जून और एक जुलाई के बीच पुलिस बल में भर्ती होने के आकांक्षी अभ्यर्थियों के लिए 'फील्ड' परीक्षा और शारीरिक परीक्षा आयोजित की गयी थी। एक अधिकारी ने बताया कि जांच के लिए तैनात किए गए स्वापक रोधी प्रकोष्ठ के कर्मियों ने 28 जून को 'फील्ड' परीक्षा के दौरान तीन अभ्यर्थियों के पास से शक्तिवर्धक इंजेक्शन बरामद किए।

28 और 30 जून को मामले दर्ज

पुलिस ने बताया कि 30 जून को परीक्षा के दौरान एक अन्य अभ्यर्थी के पास से भी ऐसा ही पदार्थ बरामद किया गया। अधिकारी ने बताया कि चारों की चिकित्सकीय जांच के बाद उन पर भारतीय दंड संहिता और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मीरा रोड पुलिस थाने में 28 और 30 जून को मामले दर्ज किए गए।

व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

पुलिस ने शुरू की जांच

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण में अज्ञात लोगों ने 26 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब सात बजे कल्याण के '100 फुट रोड' पर हुई। उसने कहा कि हत्या का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि दो-तीन लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित से कुछ बात करने के बाद उस पर चाकू से वार किया और फरार हो गए। कोलशेवाडी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित के साथ आए एक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर कोलशेवाडी पुलिस ने सोमवार रात को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (हत्या) के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एसटी महामंडल को सक्षम बनाने 3 सदस्यीय कमेटी गठित

लीज पर ली जाएगी 5150 बसें

दोपहर संवाददाता । मुंबई

एसटी महामंडल की हालत सुधारने के लिए राज्य सरकार कदम उठा रही है। इसके अलावा कर्मचारियों को वेतन एवं भत्ते देने के लिए सरकार की मदद की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए महामंडल के उत्पन्न स्रोतों के निर्माण में बढ़ोत्तरी करने का प्रयास किया जा रहा है। महामंडल अगले कुछ महीनों में 5 हजार 150 नई इलेक्ट्रिक बसें लीज पर लेने की तैयारी में है। जिससे महामंडल की बिगड़ी वित्तीय स्थिति को सुधारा जा सकेगा। मंगलवार को सदस्य कृष्णा गजबे के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी मंत्री दादाजी भुसे ने विधानसभा में दी। इस चर्चा में सदस्य बालासाहेब थोरात, भास्कर जाधव, बच्चू कडु और रोहित पवार ने भाग लिया। भुसे ने कहा कि महामंडल के बेड़े में नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का फैसला लिया गया है, जो लीज पर की जाएंगी। इसके बाद सभी डिपो को मांग के अनुरूप बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

2 हजार 420 बसों की खरीदी की प्रक्रिया पूरी

इसके अलावा महामंडल ने बीएस मानक के तहत 2 हजार 420 बसों की खरीदी की प्रक्रिया पूरी भी कर ली है। इसके अलावा पुरानी डीजल बसों को सीएनजी में परिवर्तित किए जाने का काम भी चल रहा है। इससे डीजल और मरम्मत लागत में बचत होगी। इसके अलावा महामंडल छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त यात्रा देने के एवज में मंडल को करोड़ों रुपए भी मिले हैं। भुसे ने कहा कि एसटी महामंडल अपने सभी कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक महीने की 10 तारीख के अंदर भुगतान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महामंडल के कर्मचारियों के वेतन और भत्ते संबंधी मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

अब नहीं चलेगी अपराधियों की दबंगई

पुलिस ने हथकड़ी बांधकर कराई परेड

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस ने कोर्ट से दो दिन की कस्टडी मिलने के बाद दो अपराधियों को गोल मैदान परिसर ले गयी, जहां इन्हें हथकड़ी पहना कर सड़क पर परेड कराया है। इन अपराधियों पर कई मामले दर्ज हैं और यह अपने आप को इलाके का दबंग मानते हैं। पुलिस ने इस तरह से अपराधियों को परेड करा कर अपराधियों को साफ संदेश दिया है कि उनकी गुंडागर्दी अब नहीं चलेगी।

हत्या का प्रयास करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने मालशेज घाट से किया गिरफ्तार

बता दें कि आरोपी सोहन अनिल पवार और यश सुरेश पवार गोल मैदान परिसर में दबंगई कर दहशत निर्माण कर रहे थे। कुछ दिन पहले एक दुकानदार का हत्या का प्रयास किया था। इस मामले में दो आरोपियों को उल्हासनगर पुलिस ने मालसेज घाट से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने दोनों को दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। पवार का क्षेत्र में काफी दहशत था। इसके प्रति क्षेत्र के लोगों के मन से दहशत कम करने के उद्देश्य से पुलिस ने उन्हें उनके क्षेत्र से लेकर 24 नंबर स्कूल, गोलमैदान हिरापन्ना इमारत तक रस्सी बांध कर बारात निकाला। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके के लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है और उन्होंने पुलिस के इस कदम की सराहना की है।

मराठा समाज आरक्षण

राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

बॉम्बे हाईकोर्ट में महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का विरोध करने वाली याचिकाओं पर दूसरे दिन भी सुनवाई जारी रही। याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा मराठा समाज को दिए गए 10 फीसदी आरक्षण को चुनौती देने के लिए अपनी दलीलें पेश की।

अदालत ने राज्य सरकार को इस मामले में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एस.बी. शुक्रे की अध्यक्षता वाले महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को मराठा आरक्षण की सुनवाई में एक आवश्यक पक्ष बनाने को लेकर कोई विचार कर रहा है।

3 जुलाई को भी मामले की अगली सुनवाई जारी

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय, न्यायमूर्ति गिरीश एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने जनहित याचिकाओं पर सुनवाई 3 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं में भाऊसाहेब पवार की ओर से पेश वकील सुभाष झा ने मराठा समुदाय को 10 फीसदी आरक्षण का विरोध करते हुए इस बात को दोहराया कि न्यायमूर्ति शुक्रे आयोग मराठा सामाज को आरक्षण देने की रिपोर्ट से पिछड़ा समाज के लोगों का जीवन को प्रभावित होगा। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने आयोग की सिफारिश पर मराठा समाज को आरक्षण देने के राज्य सरकार के फैसले का बचाव किया।

मराठा समाज को 10 फीसदी आरक्षण देने का मामला

जनहित याचिकाओं में महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम 2024 के तहत मराठा समाज को दिए गए 10 फीसदी आरक्षण को चुनौती दी गयी है। राज्य सरकार ने इस साल 20 फरवरी को मराठा आरक्षण को लेकर कानून पारित किया और 26 फरवरी को अधिनियम को अधिसूचित किया था। न्यायमूर्ति शुक्रे द्वारा लिखित रिपोर्ट में मराठा समुदाय को 10 फीसदी आरक्षण देने के औचित्य के रूप में असाधारण स्थितियों का उल्लेख किया गया है, जो राज्य में कुल आरक्षण सीमा 50 फीसदी से अधिक है।

मनपा आयुक्त अजीज शेख करेगें दिव्यांग लोगों की समस्याओं का समाधान

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा आयुक्त अजीज शेख की अध्यक्षता में दिव्यांग कल्याण योजना को क्रियान्वित करने के उद्देश्य से मनपा मुख्यालय में विभिन्न दिव्यांग संगठनों की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में दिव्यांगों के हित में संचालित संस्थाओं के पिछले तीन वर्षों के ऑडिट व अन्य मामलों की जांच कर मनपा स्तर पर एक कमेटी का गठन किया जायेगा. साथ ही मनपा परिवहन शुरू है, इन बसों में दिव्यांगों को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के संबंध में समिति के बाद निर्णय लिया जाएगा. विकलांगों को छाते वितरित करने व दिव्यांगों के लिए स्टॉल साठ सीटें उपलब्ध कराने को लेकर कमेटी के गठन के बाद निर्णय लिया जायेगा. इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग को मनपा के शौचालयों में दिव्यांगों के लिए रैंप की सुविधा उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है. अगस्त 2024 प्रत्येक दिव्यांगजन को 2200 रुपये प्रोत्साहन अनुदान के रूप में दिये जायेंगे। इन सभी मुद्दों को लेकर मनपा आयुक्त अजीज शेख द्वारा लिये गये निर्णय पर सभी संगठनों ने आभार व्यक्त किया है।

पड़ोसी की हत्या के दोषी को आजीवन सश्रम कारावास की सजा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने पांच साल पहले एक मामूली विवाद में अपने पड़ोसी की हत्या करने और उसकी पत्नी को घायल करने के अपराध में 34 वर्षीय एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस बी अग्रवाल ने सोमवार को मुंब्रा निवासी आरोपी पंकज गल्ला गोइल को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। गोइल को आजीवन सश्रम कारावास और 13,500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। अतिरिक्त लोक अभियोजकों अनिल लाडवंजारी और जयश्री कोर्डे ने अदालत को बताया कि तीन मई 2020 की रात को पीड़ित सलाम खान अपने घर के पास टहल रहा था और गोइल की पत्नी से बात कर रहा था, जिस पर उसने आपत्ति जताई और उससे झगड़ा किया। आरोपी अपने घर से बाहर निकला और तीखी बहस के बाद उसने चाकू निकालकर खान पर कई बार वार किया। गोइल ने बीच-बचाव करने पहुंची खान की पत्नी पर भी हमला किया और उसे घायल कर दिया। खान और उसकी पत्नी को तुरंत एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने खान को मृत घोषित कर दिया।

पुणे पोर्श कार प्रकरण

नाबालिग आरोपित के पिता और दादा को मिली जमानत

मुंबई/पुणे। पुणे पोर्श कार हादसे के नाबालिग आरोपित के पिता और दादा को मंगलवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दिया है। इन दोनों को मई महीने में उनके ही ड्राइवर का अपहरण कर धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बचाव पक्ष के वकील प्रशांत पाटिल ने बताया कि उनके मुवक्किलों को कथित अपहरण और गलत तरीके से बंधक बनाने के मामले में अदालत ने जमानत दे दी है। पाटिल ने कहा, ₹मेरे मुवक्किल जांच एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे और अदालत की सख्त (जमानत) शर्तों का पालन करेंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले पर लिखी पुस्तक सहवासातले आठवले का प्रकाशन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले पर लिखी पुस्तक सहवासातले आठवले का विमोचन शनिवार को वर्ली के नेहरू तारारंगन हॉल में किया गया। सहवासतले अठावले पुस्तक रिपब्लिकन कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले के बारे में लिखा गया एक अनुभव है। इस पुस्तक में उनके लेखन को चंद्रमणि जाधव और प्रवीण मोरे द्वारा संकलित किया गया है।

काव्यात्मक शुरुआत

'मी तसा कुणाचाही नाही हस्तक, म्हणून माझ्यावर निघत आहे पुस्तक, माझे नेहमी शांत असते मस्तक ', इस प्रकार की काव्यात्मक शुरुआत रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले द्वारा किया गया। इस दौरान अठावले ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब के बिना हम कहीं नहीं होते। हम अम्बेडकरी विचारों के प्रति निष्ठा के साथ भारतीय दलित पैंथर्स के माध्यम से संघर्ष करते रहे।

पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे और मंत्री छगन भुजबल हुए शामिल

इस पुस्तक विमोचन समारोह में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने आठवले साहब की पुस्तक लेखन पहल की सराहना करते हुए दलित आंदोलन का नेतृत्व करने वाले रामदास आठवले की सराहना की, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने अपने पुराने मित्र रामदास आठवले के संघर्ष की सराहना की। उन्होंने एक मंत्री के रूप में अपने समय की कई यादें बताईं और जिले, पूरे महाराष्ट्र और भारत में मौजूद गांवों और गांवों में उन्हें प्यार करने वाले लोगों ने रामदासजी की संपत्ति बताते हुए कहा कि यह युवा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक विश्वविद्यालय है।

पूर्व मंत्री अविनाश महातेकर, प्रसिद्ध लेखक शरणकुमार लिंबाले, उद्यमी मंदार भारदे ने भी आठवले साहब के साथ की कई स्मृतियों को याद करते हुए पुस्तक में उल्लिखित कुछ महत्वपूर्ण लेखों का उल्लेख करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। भदंत महाथेरो राहुल बोधी, सौ.सीमाताई आठवले, प्रदेश अध्यक्ष राजा सरवदे, बाबूराव कदम, गौतम सोनवणे, सुरेश बारशींग, दयाल बहादुरे, सिद्धार्थ कासारे, पप्पू कागदे , श्रीकांत भालेराव, आशाताई लांडगे, चंद्रकांत सोनकांबळे, उषाताई रामलू और रिपब्लिकन पार्टी के नेता और कार्यकर्ता साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक गणमान्य व्यक्ति और आठवले साहब के परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

करघा धारकों को राहत

अतिरिक्त बिजली रियायत के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शर्त रद्द

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज विधानसभा में बोलते हुए कहा कि उन्होंने यंत्रमैग धारकों के लिए अतिरिक्त बिजली रियायतों के कार्यान्वयन के अनुरूप नई पंजीकरण शर्त को रद्द करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री शिंदे ने राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देते हुए यह घोषणा की. समाजवादी पार्टी के भिवंडी पूर्व से विधायक रईस शेख की कोशिशें सफल रही हैं और उन्होंने इस फैसले को तुरंत लागू करने की मांग की है. विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि अतिरिक्त बिजली रियायत के लाभ के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की आवश्यकता को रद्द कर दिया गया है और इसे तुरंत लागू करने का आदेश दिया गया है।

सपा विधायक रईस शेख ने ऑनलाइन पंजीकरण की शर्त को रद्द करने की मांग की थी

शेख के प्रयासों को सफलता

सपा विधायक रईस शेख ने मांग की थी कि ऑनलाइन पंजीकरण की कठिन शर्त को खत्म किया जाना चाहिए और यह अतिरिक्त बिजली रियायत वर्तमान में करघा धारकों के पास मौजूद अलग बिजली मीटर के आधार पर लागू की जानी चाहिए। कुछ दिन पहले शेख ने सरकार को बताया था कि इस योजना को बहुत कम प्रतिक्रिया मिल रही है और तदनुसार इस शर्त को रद्द करने की मांग दोहराई थी। शेख ने कहा कि अकेले भिवंडी में 21 हजार तीर्थयात्रियों में से केवल 60 व्यवसायियों ने इस रियायत के लिए आवेदन जमा किया है।

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अशोक चव्हाण गुट को BJP का दूसरा झटका!

केंद्रीय मंत्री का पद ही नहीं, विधान परिषद में भी मिली रुसवाई

दोपहर संवाददाता । मुंबई\नांदेड़

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने विधान परिषद के लिए पांच उम्मीदवारों की सूची की घोषणा कर दी है। इसमें पंकजा मुंडे को भी पार्टी ने मौका दिया है। बीजेपी मराठवाड़ा से पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे को फिर से मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। इस बीच विधान परिषद में चर्चा थी कि बीजेपी से अशोक चव्हाण के गुट को मौका मिलेगा। चव्हाण के रिश्तेदार डॉ मीनल पाटिल खतगांवकर के लिए भी कोशिशें शुरू हुईं लेकिन बीजेपी ने चव्हाण गुट को मौका नहीं दिया। इसलिए कहा जा रहा है कि पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल और फिर विधान परिषद में मौका न मिलने से चव्हाण गुट एक तरह से सदमे में है।

नांदेड़ से बीजेपी को लगा है झटका

अशोक चव्हाण के बीजेपी का सदस्य बनने के बाद उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया। यह भी उम्मीद थी कि चुनाव के बाद उन्हें नए केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी और बीजेपी बड़ी जिम्मेदारियां सौंपेगी। लेकिन लोकसभा चुनाव में मराठवाड़ा में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। अशोक चव्हाण के बीजेपी में शामिल होने के बाद भी पार्टी नांदेड़ सीट बरकरार नहीं रख पाई। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के रिश्तेदार और पूर्व सांसद भास्कर पाटिल खटगांवकर के दामाद को बीजेपी ने राज्य की विधान परिषद के लिए नामांकित किया था। मीनल पाटिल खटगांवकर के नाम पर चर्चा हुई लेकिन उन्हें पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया।

कोशिशों को नहीं लगे पंख

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी की दिलचस्पी डॉ मीनल पाटिल खतगांवकर में थी। अशोक चव्हाण सहित स्थानीय बीजेपी नेता उन्हें लोकसभा उम्मीदवारी दिलाने की कोशिश कर रहे थे। लोकसभा चुनाव से पहले मीनल पाटिल खतगांवकर की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद इस चर्चा को और हवा मिल गई। लेकिन बीजेपी ने प्रतापराव पाटील चिखलीकर को मौका दिया। इस बीच खबर आई कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने असंतुष्ट मीनल खटगांवकर को विधान परिषद में लेने की बात कही है।

नांदेड़ को मौका दिए बिना पंकजा मुंडे की उम्मीदवारी की घोषणा

इस बीच पूर्व मंत्री रावसाहेब दानवे नांदेड़ दौरे पर खटगांवकर के घर पर गए। इसी समय चव्हाण गुट की ओर से मीनल खतगांवकर को विधान परिषद में शामिल करने की सिफारिश दानवे से की गई। पूर्व सांसद भास्करराव पाटिल और रावसाहेब दानवे के बीच पंद्रह मिनट तक बंद कमरे में चर्चा भी हुई। लेकिन पार्टी नेता ने नांदेड़ को मौका दिए बिना बीड से पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे की उम्मीदवारी की घोषणा कर दी। इसलिए चव्हाण समर्थकों में नाराजगी का माहौल है।

कांग्रेस पार्टी से विधान परिषद में सिर्फ सातव को ही मौका

विधान परिषद की खाली 11 सीटों के लिए 12 जुलाई को मतदान होगा। बीजेपी 11 में से 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना शिंदे ग्रुप और राष्ट्रवादी अजीत पवार ग्रुप दो-दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार समूह एक-एक सीट पर लड़ने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद नांदेड़ से विधान परिषद में मुस्लिम समुदाय को उम्मीदवार बनाने की मांग रखी गई। कांग्रेस के पूर्व मेयर अब्दुल सत्तार का नाम भी चर्चा में था, वहीं मसूद खान की भी दिलचस्पी थी।

फरार आरोपी तीन दशक बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

1993 के मुंबई दंगों का है आरोपी

मुंबई। मुंबई में 1993 में हुए दंगों के घाव अब तक भरे नहीं है। 1992 में कारसेवकों के द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुंबई में दंगों भड़क गए थे जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। दंगों के कुछ आरोपियों को पुलिस ने तुरंत हिरासत में लिया था। कुछ आरोपी फरार थे। इस दंगों का एक आरोपी तीस साल बाद अब पुलिस के हाथ लगा है। जानकारी के अनुसान मुंबई में 1993 में हुए दंगों में कथित रूप से शामिल 65 वर्षीय एक व्यक्ति को 31 साल तक फरार रहने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि सैयद नादिर शाह अब्बास खान को रफी अहमद किदवई मार्ग थाने की टीम ने सोमवार को शिवडी इलाके से पकड़ा। शहर में दंगों के दौरान हत्या की कोशिश एवं अवैध रूप से एकत्र होने के मामले में खान आरोपी है। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को गिराए जाने के बाद शहर में दंगे भड़क गए थे। अधिकारी ने बताया कि खान को पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और वह जमानत हासिल करने के बाद कभी भी अदालत की कार्यवाही में शामिल नहीं हुआ।

सपा की अब महाराष्ट्र पर नजर

अखिलेश के भरोसेमंद इंद्रजीत कर पाएंगे कमाल?

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लोकसभा चुनाव में बेहतरीन परफॉर्मेंस के बाद सपा की नजर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर है।। इंडिया गठबंधन के साथ सपा महाराष्ट्र में कम से कम 10 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। हालांकि, पार्टी की तैयारी विधानसभा की 35 सीटों पर है। सपा के इस विस्तार नीति को सफल बनाने के लिए अखिलेश यादव ने इंद्रजीत सरोज को महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया है। अखिलेश यादव के कार्यकाल में यह पहली बार है, जब समाजवादी पार्टी ने यूपी से बाहर किसी बड़े राज्य में अपने दिग्गज नेता को प्रभारी बनाकर भेजा है। ऐसे में सियासी गलियारों में इस नियुक्ति को लेकर 2 सवाल हैं। पहला, अखिलेश ने महाराष्ट्र की कमान इंद्रजीत सरोज को ही क्यों दी और दूसरा क्या सरोज महाराष्ट्र में कमाल कर पाएंगे?

इंद्रजीत सरोज को ही कमान क्यों?

बहुजन समाज पार्टी से सपा में आए इंद्रजीत सरोज को संगठन का नेता माना जाता है। सरोज को 2019 में अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय महासचिव बनाया था। सरोज अब तक कौशांबी, प्रतापगढ़ और इलाहाबाद के इलाके देखते थे। 2024 में सपा ने इन इलाकों की 4 में से 3 सीटों पर जीत हासिल की। सपा की इस जीत के बाद सरोज के यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की भी चर्चा थी, लेकिन इससे पहले ही अखिलेश ने उन्हें महाराष्ट्र की कमान सौंप दी है।

सरोज पासी (दलित) समुदाय से आते हैं और महाराष्ट्र में इस समुदाय की आबादी करीब 10 ।5 प्रतिशत है। संख्या के हिसाब से देखा जाए तो महाराष्ट्र की हर विधानसभा में दलितों की आबादी 15 हजार के आसपास है। महाराष्ट्र में सपा का सबसे बड़ा चेहरा अबु आजमी हैं, जो मुस्लिम समुदाय के बड़े नेता भी माने जाते हैं। राज्य में इस समुदाय की आबादी करीब 11 प्रतिशत है।

अखिलेश इन्हीं दोनों समुदाय को जोड़ने के लिए सरोज को प्रभारी बनाकर महाराष्ट्र भेजा है।

महाराष्ट्र में सपा की दावेदारी क्या है?

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी की प्रदेश इकाई ने एक समीक्षा बैठक की थी, जिसमें अबु आजमी ने महाराष्ट्र की 30-35 सीटों पर मजबूती से तैयारी करने के निर्देश दिए थे। आजमी इसके बाद अखिलेश यादव से मिले थे।

पार्टी के 3 तर्क

- 2009 में सपा को विधानसभा की 4 सीटों (मनखुर्द नगर, भिवानी ईस्ट, भिवानी वेस्ट और नवापुर) पर जीत मिली थी। 2019 में भी पार्टी ने 2 सीटों पर जीत हासिल की थी।
- समाजवादी पार्टी 2019 में 7 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और उसे कुल 0 ।69 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 में पार्टी का वोट प्रतिशत 0 ।74% था।
- समाजवादी पार्टी का महाराष्ट्र के मुंबई अर्द्धशहरी और ठाणे-कोंकण जोन में जनाधार है। इन इलाकों में विधानसभा की करीब 50 सीटें हैं।

इन 2 सिनेरियो से तय होगा सपा का परफॉर्मेंस

- इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे में सपा को कितनी सीटें मिलेगी। लोकसभा चुनाव में तमाम प्रयासों के बावजूद सपा को महाराष्ट्र में एक भी सीट नहीं मिली थी। इस बार अगर पार्टी को डिमांड के हिसाब से सीटें नहीं मिलती हैं, तो उसके परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र में सीट बंटवारा इंद्रजीत सरोज के लिए यह चुनौती पूर्ण रह सकता है।
- सपा महाराष्ट्र में चुनाव कैसे लड़ती है, यह भी पार्टी के परफॉर्मेंस पर असर डाल सकता है। हालिया लोकसभा चुनाव में सपा को इंडिया गठबंधन के तहत मध्य प्रदेश में एक सीट मिली थी, लेकिन उसके उम्मीदवार का नामांकन ही खारिज हो गया। इस मामले में सपा हाईकमान पर उदासीन होकर चुनाव लड़ने का आरोप लगा था।

महाराष्ट्र में इसी साल होने हैं चुनाव

महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित है। राज्य में विधानसभा की कुल 288 सीटें हैं, जिसमें सरकार बनाने के लिए कम से कम 145 सीटों की जरूरत होती है। राज्य में मुख्य मुकाबला एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन के बीच है। एनडीए में शिवसेना, एनसीपी, बीजेपी, आरपीआई और मनसे जैसे दल है तो दूसरी तरफ इंडिया में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) जैसी पार्टियां शामिल हैं। बहुजन विकास अघाडी और एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिशों में जुटी हुई हैं। बात समाजवादी पार्टी की करें तो सपा ने 2019 में 7 सीटों पर उम्मीदवार उतारा था, जिसमें उसे 2 पर जीत मिली। 2014 में उसने 28 उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें 1 पर जीत मिली।

पहले हिजाब...अब टी-शर्ट, फटी जींस नहीं पहन सकेंगे स्टूडेंट

फूहड़ कपड़ों पर मुंबई के कॉलेजों ने सुनाया फरमान

मुंबई। मुंबई के एक कॉलेज ने छात्रों के फटी जींस, टी-शर्ट, गरिमाहीन कपड़े और जर्सी जैसे कपड़े पहनने पर रोक लगा दी है। इसे लेकर धर्म या सांस्कृतिक असमानता का हवाला दिया गया है। मालूम हो कि इसी कॉलेज ने पहले हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाया था। चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज ने 27 जून को ताजा नोटिस जारी किया। इसमें कहा गया कि छात्रों को परिसर में औपचारिक और शालीन पोशाक पहननी चाहिए। नोटिस में कहा गया कि छात्र आधी या पूरी बाजू की कमीज और पेंट पहन सकते हैं। इसमें कहा गया कि लड़कियां कोई भी भारतीय या पश्चिमी पोशाक पहन सकती हैं। बंबई हाई कोर्ट ने 26 जून को कॉलेज की ओर से हिजाब, बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि ऐसे नियम छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं। कॉलेज के ताजा नोटिस में कहा गया, 'छात्र कोई भी ऐसा परिधान नहीं पहनें जिससे धर्म या सांस्कृतिक असमानता का पता चले। नकाब, हिजाब, बुर्का, स्टोल, टोपी आदि को भूतल पर बने कॉमन रूम में जाकर उतारना होगा।

'अनुशासन ही सफलता की कुंजी'

चेंबूर स्थित इस कॉलेज में शिवाजी नगर, गोवंडी और मानखुर्द इलाकों के मुस्लिम समुदाय के कई छात्र पढ़ते हैं। नोटिस में यह भी कहा गया कि 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। इसमें कहा गया, 'अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।' कॉलेज संचालन परिषद के महासचिव सुबोध आचार्य ने इस साल की शुरुआत में संस्थान की ओर से जारी परिपत्र का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेज की ओर से नए निर्देशों के साथ कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'यह कोई नया नोटिस नहीं है। हम छात्रों से केवल ड्रेस कोड का पालन करने के लिए कह रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि वे भड़काऊ कपड़े न पहनें। हम छात्रों से साड़ी या किसी विशेष रंग की पोशाक पहनने के लिए भी नहीं कह रहे।'

'धर्म का पालन करना मौलिक अधिकार'

कॉलेज की प्रधानाचार्य विद्यागौरी लेले ने कहा, 'छात्र हिजाब या बुर्का पहनकर कॉलेज आ सकते हैं। कॉलेज के कॉमन रूम में इसे बदल सकते हैं और फिर अपना काम कर सकते हैं।' छात्राओं ने इस महीने की शुरुआत में हाई कोर्ट का रुख कर कॉलेज की ओर से जारी उस निर्देश को चुनौती दी थी, जिसमें हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी पहनने और किसी भी तरह का बिल्ला लगाने पर प्रतिबंध लगाने वाले ड्रेस कोड को लागू किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह नियम उनके धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार, निजता के अधिकार और पसंद के अधिकार का उल्लंघन करता है।

अभिषेक घोसालकर हत्याकांड

कोर्ट ने मौरिस नोरोन्हा के बॉडीगार्ड को दी जमानत

मुंबई। एक स्थानीय कोर्ट ने बिजनेसमैन मौरिस नोरोन्हा के बॉडीगार्ड अमरेंद्र सिंह को जमानत दे दी है। नोरोन्हा ने कथित तौर पर अपने बॉडीगार्ड के पिस्तौल का इस्तेमाल शिवसेना नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या में किया गया था। अपराध में नोरोन्हा की संलिप्तता पर 'अत्यधिक संदेह' है। एडिशनल सेशन कोर्ट के जज वी.एम. पठाडे ने 26 जून को आरोपी बॉडीगार्ड अमरेंद्र सिंह की जमानत याचिका मंजूर कर ली। इस आदेश की प्रति सोमवार को उपलब्ध हुई जिसमें कहा गया है कि पुलिस द्वारा जुटाई गई किसी भी सामग्री से शिवसेना (यूबीटी) नेता और नोरोन्हा की मौत में सिंह की संलिप्तता साबित नहीं होती है। नोरोन्हा ने मुंबई के बोरीवली इलाके में 'फेसबुक लाइव' के दौरान घोसालकर की कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली थी।

मोहब्बत का क़त्ल

प्रेमी ने प्रेमिका की गला घोंटकर की हत्या

दोपहर संवाददाता । मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हत्या का एक भयानक मामला सामने आया है। एक युवक ने अपनी प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या कर दी और खुदकुशी करने के लिए उसके घर से निकल गया। लेकिन वह ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। इसके चलते वह अंधेरी (पूर्व) में अपनी मां की कब्र के पास कब्रिस्तान में पांच घंटे तक बैठा रहा। लड़की के पिता ने उसे ढूंढ निकाला और रविवार दोपहर 12.30 बजे उसे सहार पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया।

कब की हत्या?

पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय युवक जैब ख्वाजा सोलकर ने अपनी 18 वर्षीय प्रेमिका सारा सैयद की मरोल नाका स्थित अशोक टॉवर स्थित उसके फ्लैट में शनिवार देर रात 4 .30 बजे गला घोंटकर हत्या कर दी। सारा बारहवीं की छात्रा थी और उसने सोलकर को रात में पिछले दरवाजे से अपने बेडरूम में घुसने दिया था। चूंकि दोनों में में झगड़ा चल रहा था। इसके चलते उसने प्रेमिका की हत्या कर दी।

पास के कमरे में सो रहे थे पिता और भाई

वारदात के समय सारा सैय्यद के पिता और छोटा भाई, जिनकी उम्र करीब 14 साल थी, हॉल में सो रहे थे। इस दौरान बेडरूम का दरवाजा बंद होने के कारण उन्हें सोलकर की मौजूदगी का पता नहीं चला। सहार पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैब ख्वाजा सोलकर बारहवीं कक्षा पूरी करने के बाद एसी मैकेनिक का कोर्स कर रहा है। उसने कुछ समय साथ बिताने के बाद पीड़िता से झगड़ा करने की बात कबूल की। उसने सारा सैय्यद के दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया।

जहर खाने की नहीं जुटा सका हिम्मत

वहीं सुबह में सैय्यद के परिवार ने उसे बेसुध पाया और उसे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि प्रेमिका की हत्या करने के बाद सोलकर पिछले दरवाजे से फ्लैट से बाहर निकल गया और अंधेरी (पूर्व) के चिमनपाड़ा इलाके से चूहे मारने की दवा खरीदी। सोलकर ने कहा कि उसने खुद को मारने की कोशिश की, लेकिन जहर खाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। इस वजह से वह कब्रिस्तान गया और अपनी मां की कब्र के पास बैठा रहा।

सोशल मीडिया पर बहस के बाद की हत्या

पुलिस ने कहा कि सोलकर और पीड़िता पिछले तीन सालों से एक-दूसरे को जानते थे। रविवार की सुबह-सुबह उसे मारने से तीन दिन पहले सोशल मीडिया पर उनके बीच बहस भी हुई थी। पुलिस ने सोलकर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर उसे पांच दिनों के लिए हिरासत में ले लिया।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2024/34890
सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा.
दिनांक : 02/07/2024

-: सर्वसाधारण सभा घेण्यासाठीची नोटीस :-

त्रिवेणी एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो), न.भू.क्र. १२८५/अ (भाग), मौजे कांजूर, ता. कुर्ला, विभाग एस, चाळ ए, बी, सी, मिराशी नगर, कांजुरमार्ग पोलीस स्टेशन जवळ, कांजुरमार्ग (पूर्व), मुंबई - ४०० ०४२ या संस्थेचा प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १४४ (ड) नुसार प्रस्ताव या विभागास प्राप्त झालेला आहे. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने सदर संस्थेची सर्वसाधारण सभा आयोजित करणेकरीता मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपुप्रा यांनी दि. २७/०६/२०२४ रोजीच्या टिप्पणीद्वारे माजी नियुक्ती केलेली आहे.

त्यानुसार प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १४४ (ड) नुसार सदर संस्थेची सर्वसाधारण सभा दि. १९/०७/२०२४ रोजी, दुपारी १२.३० वाजता, स्थळ : नानजी शामजी शाह, कम्युनिटी स्कूल, ज्ञानदिप विद्यामंदिर स्कूल, अंकुश हॉस्पीटल लेन, कांजूरमार्ग पोलीस स्टेशन जवळ आणि वत्सल्या ट्रस्ट, नेहरू नगर, कांजूरमार्ग (पूर्व), मुंबई - ४०० ०४२ येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. तरी सदर वेळेस प्रारूप परिशिष्ट-२ मधील सर्व झोपडीधारकांनी मतदानासाठी उपस्थित रहावे, ही विनंती.

-: सभेपुढील विषय :-

१) नियोजित संस्थेचे मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेचे विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करणे.

सही/-
(अरविंद जे. कांबळे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी, (श्रेणी-2), झोपुप्रा, बृहन्मुंबई

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : 02/07/2024

सुचना :-
१. सदर सभेस फक्त प्रारुप परिशिष्ट-२ मध्ये नमूद झोपडीधारकास प्रवेश व मतदानाचा हक्क राहील. अन्य व्यक्ती / झोपडीधारकास सभेच्या हॉलमध्ये प्रवेश राहणार नाही किंवा त्यांना मतदानाचा हक्क राहणार नाही.
२. सभेस नियोजित संस्थेच्या प्रारुप परिशिष्ट-२ मधील पात्र झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
३. प्रारुप परिशिष्ट-२ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
४. संस्थेच्या पात्र सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
५. सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.

संपादकीय

बदलाव के कानून

निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन,स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। कानून समाज के व्यापक अनुभवों व जरूरतों के अनुरूप स्वरूप ग्रहण करते हैं। ऐसे में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरे। उल्लेखनीय है कि बदलाव से जुड़े विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। सार्वजनिक विर्मश में अकसर यह बात सामने आती रही है कि औपनिवेशक सत्ता को मजबूत करने के लिये जो कानून अंग्रेजों ने बनाये थे, क्या उन्हें स्वतंत्र भारत में सात दशक बाद भी लागू रहना चाहिए? इस बाबत समय-समय पर शीर्ष अदालत की टिप्पणियां व मार्गदर्शन भी सामने आए हैं। कहा जाता रहा है कि सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए था। ऐसे सवाल इन कानूनों को बनाते समय संसद में बहस की अवधि और विपक्ष के एक बड़े हिस्से के सदन से बाहर रहने को लेकर उठाये जाते रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि देश की न्याय व्यवस्था को बदलने वाले कानूनों पर पर्याप्त बहस जरूरी होती है। यही वजह है कि कुछ गैर-बीजेपी शासित राज्यों की तरफ से विरोध के स्वर भी सुनायी दिए। इस बाबत कहा जा रहा है कि केंद्र के अधिकारियों का कहना है कि राज्य सरकारें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन के लिये स्वतंत्र हैं। मगर एक हकीकत है कि सोमवार से देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- भारतीय दंड सहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान ले चुके हैं। वहीं केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। साथ ही जीरो प्राथमिकी किसी भी थाने में दर्ज की जा सकेगी। लेकिन कानून के जानकार पुलिस रिमांड की अवधि बढ़ाने पर चिंता जता रहे हैं। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। दूसरी ओर कुछ कानून के जानकार नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से उत्पन्न कई न्यायिक परेशानियों के सामने आने की बात कह रहे हैं। वे नये प्रावधानों पर गंभीर विचार-विमर्श की जरूरत बताते हैं। तो कुछ लोग अभिव्यक्ति के अतिक्रमण की बात कर रहे हैं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन कानूनों के लागू होने से पहले हुए अपराधों की न्याय प्रक्रिया में विसंगति पैदा हो सकती है।

मानवीय संकट बढ़ाती परमाणु अस्त्र होड़

सी. उदय भास्कर

इस माह की चर्चाओं के केंद्र में मुख्य विषय प्रलयंकारी परमाणु हथियार और संकट में पड़े वैश्विक सुरक्षा तंत्र रहे। गत 17 जून को दो अहम रिपोर्टें एक ही दिन जारी हुईं– एक है, आईसीएएन (इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वैपन्स) की और दूसरी है सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की। इनके निष्कर्ष कष्टकारी और निराश करने वाले हैं। आईसीएएन रिपोर्ट बताती है कि एन-9 अर्थात् परमाणु शक्ति संपन्न नौ राष्ट्रों (अमेरिका, यूके, रूस, चीन, फ्रांस, भारत, इस्राइल, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया) ने अपने-अपने आणविक शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम पर 91 बिलियन डॉलर की राशि खर्च की है। इस बारे में सबका तर्क एक समान है यानी 'दूसरों से परमाणु खतरे' का वास्ता देते हुए, अपने अंदर गहरे पैठी सामरिक 'असुरक्षा की भावना' का तुष्टीकरण है।

अनुमान को सिद्ध करते हुए, सबसे अधिक धन खर्च वालों में चोटी के तीन मुल्कों में पहले पायदान पर अमेरिका है (51.5 बिलियन डॉलर)- जो कि विश्वभर में परमाणु हथियार संबंधित कुल व्यय का आधे से अधिक है, दूसरे नंबर पर चीन (11.8 बिलियन) और तृतीय पर रूस (8.3 बिलियन) है। आईसीएएन की निदेशक मेलिसा पार्के का कहना है कि परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों का इस मद में सकल खर्च प्रति सेकंड 2,898 डॉलर बैठता है और यह सम्मिलित व्यय संपूर्ण दुनिया से भुखमरी खत्म करने को जितना पैसा चाहिए, उससे अधिक है। उन्होंने आगे कहा- 'एक मिनट में जितना खर्च परमाणु हथियारों पर होता है, उतने में 10 लाख पौधे रोपे जा सकते हैं।'

यहां पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या का संदर्भ वैश्विक ताप सूचकांक में निरंतर बढ़ोतरी और

पर्यावरणीय बदलावों से पैदा हुए अतिशय मौसम के संदर्भ में प्रासंगिक है, किंतु इस मुद्दे पर संसार की प्रतिक्रिया लचर और निष्प्रभावी किस्म की है। भारत इन दिनों झुलसा देने वाली गर्मी झेल रहा है, तिस पर इसका पेड़ और मनुष्य का अनुपात भयावह रूप से बहुत कम है, और भारत विश्व के सबसे अधिक प्रभावित बड़े देशों में एक है (कुल भूभाग और जनसंख्या के लिहाज से)। यह भू-भौतिक प्रवृत्ति जल्द ही विश्व के सभी मनुष्यों की सुरक्षा के लिए गंभीरतम खतरा बनने जा रही है। हज करने गए लोगों की झुलसाती गर्मी से संबंधित हालिया मौतें इसका साक्षात उदाहरण हैं। सिपरी की वार्षिक पत्रिका-2024 वह बृहद प्रकाशन है जो अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शस्त्र एवं तकनीक, सैन्य व्यय, शस्त्र उत्पादन, शस्त्र-व्यापार, हथियारबंद संघर्ष और युद्ध प्रबंधन के अलावा रिवायती, परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों पर नियंत्रण को लेकर प्रयासों का अवलोकन प्रस्तुत करता है। लगभग सौ पन्नों का परमाणु अध्याय पिछले साल परमाणु क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास और चलन का बहुमूल्य सार प्रस्तुत करता है। लेखक हैन्स क्रिसटेंसेन और मैट कोर्डा के परिश्रम की तारीफ करनी करनी बनती है कि उन्होंने इस गोपनीय क्षेत्र की अंदरूनी जानकारी बहुत मेहनत से खोद निकाली है, जबकि इस विषय-वस्तु पर अमूमन तथ्यों की जगह भ्रामक जानकारी एवं सूचनाएं और राजनीतिक लफ्फाजी का बोलबाला रहता है। सिपरी आणविक सर्वे का मुख्य निष्कर्ष यह है कि परमाणु हथियारों की किस्मों और संख्या में वृद्धि हुई है। सभी परमाणु शक्ति संपन्न मुल्कों ने अपनी 'प्रतिरोधक आणविक' क्षमता पर निर्भरता बढ़ाई है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह करने से मूल राष्ट्रीय हित सुरक्षित होते हैं। इसका नवीनतम उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध है, जब रूस ने अमेरिका नीत नाटो को परमाणु अस्त्र प्रयोग की धमकी देते हुए अपनी ओर से 'रेड लाइन' खींच दी, बदले में, नाटो और अमेरिका ने भी कहा कि वे भी अपनी तमाम जवाबी परमाणु तैयारियों में बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। सिपरी आणविक अवलोकन संकेत देता है कि 2024 के शुरुआती दिनों में, नौ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के पास कुल मिलाकर लगभग 12,121 परमाणु हथियार हैं, जिनमें 9,585 के बारे में माना जाता है कि इस्तेमाल के लिए तत्काल तैयार हैं। कयास है कि 3,904 आणविक आयुध कार्यकारी बलों के साथ तैनात हैं और इनमें भी लगभग 2100 को उच्च संचालन सतर्कता श्रेणी में रखा गया है– यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 100 अधिक है। जहां एक ओर अमेरिका और रूस के परमाणु हथियारों का सम्मिलित हिस्सा अभी भी विश्व के सकल आणविक शस्त्रागारों का 88 प्रतिशत है वहीं चीन को लेकर सिपरी का आंकड़ा चौंकाने वाला है, जनवरी, 2023 में उसके पास 410 परमाणु अस्त्र थे जो जनवरी, 2024 में बढ़कर 500 हो गए और इनकी संख्या आगे और बढ़ने की उम्मीद है। यह भी कहा कि चीन अगले एक दशक तक अपने परमाणु शस्त्रागार का काफी आधुनिकीकरण और विस्तार करने की प्रक्रिया में लगा रहेगा और कुछ अनुमानों के मुताबिक इस अवधि में चीन भी रूस एवं अमेरिका जितनी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात करने का मंसूबा रखता है। वर्तमान में अमेरिका में तीव्र घरेलू सामाजिक-राजनीतिक मंथन चला हुआ है जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने की संभावना अधिक है। जहां रूस, चाहे कुछ भी हो जाए, यूक्रेन पर अपनी पकड़ बनाए रखने को कटिबद्ध है, वहीं चीन द्वारा अपने इलाकाई दावों को लेकर झगड़ालू रुख कायम रखने से क्षेत्रीय शांति भंगुर बनी हुई है। यह एक अपशकुन है। आईसीएएन और सिपरी की रिपोर्टें बेशक इस बंजर परिदृश्य पर उद्देश्यपूर्ण ढंग से रोशनी डालती हैं, लेकिन चिंताजनक वास्तविकता यह है कि सुरंग के अंत में प्रकाश दिखाई नहीं दे रहा।

सहज योग

माया को पहचानना मुश्किल

आपको क्या करना चाहिए, किस तरह से अपनी साधना पूरी करनी चाहिए ये तो मैंने थोड़े में बता दिया। लेकिन Methodically इसे बताया जाए, तो इस तरह से समझिए इसका कोई समय तो होता नहीं, हर समय आप निर्विचारिता में रहिए जैसे इस वक्त आप निर्विचार बैठे हैं।

महालक्ष्मी जब भी अपने बच्चे के साथ आती और अपने पति के साथ में आती हैं तब शांत होती हैं। लेकिन जब अकेली आती हैं तब वो भयानक होती हैं। और तब से यहां का स्थान साक्षात भगवती का है। सहस्रार का स्थान साक्षात भगवती का है। इनसे सातों चक्र पूरे होते हैं, इसीलिए माया भी सात पर्दे की है और इसकी पहचान मुश्किल बहुत मुश्किल है। आपको क्या करना चाहिए, किस तरह से अपनी साधना पूरी करनी चाहिए ये तो मैंने थोड़े में बता दिया। लेकिन Methodically इसे बताया जाए, तो इस तरह से समझिए इसका कोई समय तो होता नहीं, हर समय आप निर्विचारिता में रहिए जैसे इस वक्त आप निर्विचार बैठे हैं। जब विचार करिए निर्विचारिता में जाइए। अब इसके बाद में Thoughtless awareness के बाद में Doubt- less awareness आती है। अब आपको शंकाएं खड़ी होंगी। इसके बाद Second stage में आदमी Doubt- less awareness में आता है। अब शंकाएं होंगी। ये ठीक है या नहीं, माताजी ने ये कहा ये बात ठीक नहीं है। ऐसा कैसे हो सकता है? ये हुआ या नहीं, हम पार हुए कि नहीं? इस तरह की शंकाएं। ये शंका का निर्मूलन ऐसा होगा जब आप अपने स्थान पर आसन्न होंगे। माने कि हमने आपको तो सिंहासन दे दिया लेकिन आपको शंका है कि ये सिंहासन है या नहीं, हम बैठे हैं ये ठीक है या नहीं? तो आप देख लीजिए आप अपने हाथ से देख लीजिए कि कितनी अद्वितीय चीज़ आपके हाथ से जा रही है और लोगों को जब आप इसी हाथ से छूकर के ठीक करेंगे, आपको जब इनके अनुभव धीरे-धीरे आने लग जाएंगे, तो आपके Doubt तब धीरे-धीरे कम होने लग जाएंगे। माने ये कि हमने आपकी नाव बना दी तैयार कर दी, अब तैयार होने के बाद इसको, नाव को पानी में छोड़ना चाहिए, लहरों से लड़ना चाहिए, तब पता होगा कि ये नाव है या नहीं, हो सकता है लकड़ी ही हो। लेकिन लकड़ी की नाव बन गई कि नहीं, बन गई, ये पानी में गिरे बगैर नहीं पता चलेगा। इसलिए इसको, नाव को छोड़ देना चाहिए और लहरों पर छोड़ना चाहिए और देखना चाहिए। लहरों के थपेड़े जब लगेंगे और जब नाव नहीं डूबेगी तो पता हो जाएगा नहीं, हां हो गया है, मामला कुछ। अभी तो doubts ही आएंगे थोड़े से, क्योंकि मनुष्य अपने को बहुत ऊंचा समझता है। एक साहब थे हमारे यहां तो वो गए वहां एक स्वामी जी बैठे हुए हैं, हजारों आदमी वहां आते हैं, खाते हैं पीते हैं। वो झण्डा लगाकर वहां बैठे हैं। अब ये महाशय हमारे साथ अमेरिका गए हुए थे। ऐसे इशारे पर वो कुछ करते थे। आप भी कर सकते हैं, यूं करिए, किसी-किसी की कुण्डलिनी रास्ते रास्ते यूं ही उठा सकते हैं, यूं करिए। यूं इशारे पर यहां बैठे बैठे ही किसी की कुण्डलिनी चाहे उठा करके आप मज़ा देखिए क्या होता है।किसी की भी उंगलियों पर आपकी कुण्डलिनी घूमेगी। आ आपके हाथ से जो बह रहा है उसी के सहारे होगा। वो ऐसे तीन-तीन सौ अमेरिकन लोगों की कुण्डलिनी उठाते थे, वो साधू जी थे वहां बहुत से लोग गए।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | हंसा मेहता

भारत की पहली महिला कुलपति

भारत में एक सामाजिक कार्यकर्ता, स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद् के रूप में जाने जाते हैं। उनके पिता मनुभाई मेहता बड़ौदा और बीकानेर रियासतों के दीवान थे। हंसा मेहता का विवाह देश के अग्रणी चिकित्सकों में से एक और गांधीजी के करीबी सहयोगी जीवराज मेहता से हुआ था। भारत के संविधान को आकार देने वाली समिति में 15 महिलाएं शामिल थीं। उन्होंने संविधान के साथ-साथ भारतीय समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हंसा मेहता उनमें से एक थीं।

हंसा जीवराज मेहता का जन्म 3 जुलाई 1897 को सूरत, गुजरात में हुआ था। उन्होंने बड़ौदा कॉलेज में दर्शनशास्त्र और फिर इंग्लैंड में पत्रकारिता और समाजशास्त्र का अध्ययन किया। 1920 में, लंदन में रहते हुए, मेहता की मुलाकात सरोजिनी नायडू से हुई, जिन्होंने बाद में उन्हें महात्मा गांधी और भारतीय महिला स्वतंत्रता आंदोलन से परिचित कराया। हंसा के राजनीतिक करियर को उनकी 1937 की बॉम्बे विधान परिषद चुनाव जीत से चिह्नित किया गया था। आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद, उन्होंने सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। मेहता 1949 तक परिषद में रही। इस दौरान, वह अखिल भारतीय महिला सम्मेलन से निकटता से जुड़ीं और 1946 में इसकी अध्यक्ष बनीं। अपनी अध्यक्षता के दौरान, उन्होंने भारतीय महिला अधिकारों और कर्तव्यों के चार्टर का मसौदा तैयार किया, जिसमें महिलाओं के लिए लैंगिक समानता और नागरिक अधिकारों की मांग की गई। वहीं, 1946 में मेहता ने महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की उप-समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। वह संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स कमेटी की एलेनोर रूजवेल्ट के साथ उपाध्यक्ष थीं। इसके अलावा, वह बॉम्बे में एसएनडीटी विश्वविद्यालय में नियुक्ति के साथ भारत की पहली महिला कुलपति बनीं। मेहता ने असहयोग और स्वदेशी आंदोलनों में भाग लिया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भागीदारी के कारण उन्हें 1932 में गिरफ्तार कर लिया गया। मेहता भारतीय संविधान की 15 महिला निर्माताओं में से एक थीं। वह कांग्रेस पार्टी के टिकट के तहत बॉम्बे से संविधान सभा के लिए चुनी गईं। विधानसभा में, उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के पक्ष में दृढ़ता से तर्क दिया और समान नागरिक संहिता और आरक्षण पर बहस में हस्तक्षेप किया। मेहता संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारतीय प्रतिनिधि थीं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा ('यूडीएचआर') के अनुच्छेद 1 को समावेशी बनाया जाए और उन्हें ₹सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं₹ से ₹सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं₹। हंसा मेहता और एलेनोर रूजवेल्ट ने यूडीएचआर के अनुच्छेद 16 के माध्यम से महिलाओं के लिए विवाह समानता सुनिश्चित की। बाद में, मेहता को बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के पहले कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया, विश्वविद्यालय ने बाद में उनके सम्मान में एक पुस्तकालय का नाम रखा। सरकार ने उन्हें 1959 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। 4 अप्रैल 1995 को उनका निधन हो गया।

जीवन ऊर्जा | रोहिंटन मिस्त्री : जन्म- 3 जुलाई 1952 | जन्म

गरीबों का जीवन प्रतीकों से समृद्ध है

रोहिंटन मिस्त्री एक कैनेडियन लेखक हैं। उनका जन्म 3 जुलाई 1952 को मुंबई महाराष्ट्र, भारत में हुआ था। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, बॉम्बे से गणित और अर्थशास्त्र में बीए की उपाधि प्राप्त की। 2012 में साहित्य के लिए न्यूस्टाड अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से उन्हें नवाजा गया हैं।

आख़िरकार, हमारा जीवन दुर्घटनाओं का एक क्रम मात्र है। याद करने से अपना अनोखा दुःख उत्पन्न होता है। यह बहुत अनुचित लग रहा था। उस समय दुख और खुशी दोनों को दर्द का स्रोत बना देना चाहिए। आकस्मिक घटनाओं की एक खनकती श्रृंखला। आकस्मिक या जानबूझकर, विकल्पों की एक श्रृंखला, जो उस बड़ी आपदा को जन्म देती है जिसे हम जीवन कहते हैं। आपको अपनी असफलताओं को सफलता की सीढ़ी के रूप में उपयोग करना होगा। आपको आशा और निराशा के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखना होगा। अंततः यह सब संतुलन का प्रश्न है। मेरी मां कहा करती थी, अगर तुम अपना चेहरा हंसी से भर लोगे तो रोने के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। दूरी एक ख़तरनाक चीज़ है। दूरियों ने लोगों को बदल दिया हैं। मानव चेहरे का स्थान सीमित है। यदि आप इसे हंसी से भर

देंगे तो रोने के लिए कोई जगह नहीं होगी। आपको आशा और निराशा के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखना होगा। याद करने से अपना अनोखा दुःख उत्पन्न होता है। यह बहुत अनुचित लग रहा थाः उस समय दुख और खुशी दोनों को दर्द का स्रोत बना देना चाहिए। दुनिया एक विस्मयकारी जगह हो सकती है, और सपने और महत्वाकांक्षाएं अक्सर सबसे खतरनाक जाल की ओर ले जाने वाले रास्ते होते हैं। कानून एक गंभीर, मुस्कुराने वाली चीज़ है। जीवन के दुःख और उदासी को हराने का एक ही तरीका है। हंसी और खुशी। अच्छे बर्तन लाओ, अच्छे कपड़े पहनो, उन्हें जमा करने का कोई मतलब नहीं है। अगर आप छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करते हैं तो वे बड़ी समस्या बन जाती हैं। जीवित रहने का रहस्य आशा और निराशा को संतुलित करना हैं। लोकतंत्र पूर्ण अराजकता और सहनीय भ्रम के बीच एक झूला है। गरीबों का जीवन प्रतीकों से समृद्ध है। जब कोई संस्कृति लुप्त हो जाती है, तो मानवता हार जाती है। बहुत लंबा बलिदान दिल को पत्थर बना सकता है। समय गले का फंदा है, धीरे-धीरे घोंट रहा है। उस दुःख से परेशान जो उनके घर में रहने के लिए एक बदसूरत प्राणी की तरह दिखाई देता था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सफलता की कुंजी के लिए आत्मबल विकसित करें

जब हम पैदा होते हैं, तो हमारे पास आनुवंशिक संरचना और जैविक लक्षण होते हैं। हालाँकि, मनुष्य के रूप में हम कौन हैं इसका विकास सामाजिक संपर्क के माध्यम से होता है। प्रकृति बनाम पोषण बहस का तात्पर्य उस 'बहस' से है कि कैसे जैविक कारक और सामाजिक कारक सामाजिक व्यवहार को आकार देते हैं।

१६ बातें समझ लें तो आपका पूर्ण विकास चुटकी में होगा।

(१) आत्मबलः अपना आत्मबल विकसित करने के लिए 'ॐ... ॐ.... ॐ... ॐ... ॐ...' ऐसा जप करें ।

२) दृढ़ संकल्प : कोई भी निर्णय लें तो पहले तीसरे नेत्र पर (भ्रूमध्य में आज्ञाचक्र पर) ध्यान करें फिर निर्णय लें और एक बार कोई भी छोटे-मोटे काम का संकल्प करें तो उसमें लगे रहें ।

३) निर्भयता : भय आये तो उसके भी साक्षी बन जायें और उसे झाड़कर फेंक दें । यह सफलता की कुंजी है।

४) ज्ञान : आत्मा-परमात्मा और प्रकृति

का ज्ञान पा लें । यह शरीर 'क्षेत्र' है और आत्मा 'क्षेत्रज्ञ' है । इस शरीररूपी खेत के द्वारा हम कर्म करते हैं अर्थात् बीज बोते हैं और फिर उसके फल मिलते हैं । तो हम क्षेत्रज्ञ हैं शरीर को और कर्मों को जाननेवाले हैं । प्रकृति परिवर्तित होनेवाली है और हम एकरस है। बचपन परिवर्तित हो गया, हम उसको जाननेवाले वही-के-वही हैं । गरीबी अमीरी चली गयी, सुख-दुःख चला गया लेकिन हम हैं अपने- आप, हर परिस्थिति के बाप। ऐसा दृढ़ विचार करने से, ज्ञान का आश्रय लेने से आप निर्भय और निःशंक होने लगेंगे ।

५) नित्य योग : नित्य योग अर्थात् आप भगवान में थोड़ा शांत होइये और 'भगवान नित्य हैं, आत्मा नित्य है और शरीर मरने के बाद भी मेरा आत्मा रहता है' इस प्रकार नित्य योग की स्मृति करें

(६) ईश्वर-चिंतन : सत्यस्वरूप ईश्वर का चिंतन करें ।*

(७) श्रद्धा : सत्शास्त्र, भगवान और गुरु में श्रद्धा यह आपके आत्मविकास का बहुमूल्य खजाना है ।

(८) ईश्वर विश्वास : ईश्वर में विश्वास रखें । जो हुआ, अच्छा हुआ, जो हो रहा है, अच्छा है और जो होगा वह भी अच्छा होगा, भले हमें अभी, इस समय बुरा लगता है । विघ्न-बाधा, मुसीबत और कठिनाइयों आती हैं तो विष की तरह लगती हैं लेकिन भीतर अमृत सैंजोये हुए होती हैं । इसलिए कोई भी परिस्थिति आ जाय तो समझ लेना, 'यह हमारी भलाई के लिए आयी है ।' आँधी-तूफान आया है तो फिर शुद्ध वातावरण भी आयेगा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

आशा का दीपक

पुराने समय में एक गांव था।जहा एक घर में चार दीपक जल रहे थे और वहां के वातावरण में एक शांति छाई हुई थी, शांति भी ऐसीकि हम अपने दिल की धड़कन भी आसानी से सुन सकते थे। पहले दीपक ने दुखी स्वर में बालक से कहा 'मैं शांति हूं, मुझे कोई बनाए नहीं रखना चाहता है। मुझे बुझ जाना चाहिए और इतना कहने के बाद, दीपक

बुझ गया। दूसरे दीपक ने बालक से कहा 'मैं विश्वास हूं, अधिकांश लोग मुझे लंबे समय तक कायम नहीं रख सकते हैं। अगर लोग चाहते ही नहीं हैं की मैं लंबे समय तक रहूं, तो क्या फायदा मेरे जलते रहने का क्या महत्व है?' इतने में हवा का एक झोका आया और उस दीपक की लो को बुझा दिया। तीसरे दीपक ने निराश भरे स्वर में बालक से कहा 'मैं ज्ञान हूं, मुझमें अब जलने की ताकत ही नहीं बची है' क्योंकि कुछ लोग मेरे महत्व को नहीं समझते। सभी मनुष्य बिना ज्ञान के पशु बनते जा रहे हैं उन सभी को ज्ञान का महत्व ही नहीं है। इसलिए मुझे बुझ जाना चाहिए। निराशा की वजह से वह एक पल बिना प्रतीक्षा के वह भी बुझ गया। तभी एक बालक ने उस घर में प्रवेश किया और उसने देख तीन दीपक नहीं जल रहे है। उसने पूछा कि तुम तीनों क्यों नहीं जल रहे हो जबकि तुम्हें तो आखिरी पल तक जलकर प्रकाश देना चाहिए। इतना कहकर वह बालक निराश होकर रोने लगा। चौथा दीपक जो अभी तक जल रहा था उसे बालक का रोना देखा नहीं गया और उसने बालक से कहा 'मेरे जलते रहने पर तुम्हें रोने की कोई जरुरत नहीं है, क्योंकि मैं आशा का दीपक हूं।' बालक की आंखों में चमक लौट आई और उसने आशादीप से पुनः शेष तीनों दीपों को जला दिया। 'आशा' वह दीपक है जिससे शांति, विश्वास और ज्ञान को पुनर्जीवित कर सकता है। हमारे जीवन में आशाबनी रहनी चाहिए। इसके बल पर हम संपूर्ण मानवता के लिए आशादीप बन सकते हैं। मानवता पर ही संसार की आधारशिला है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

प्यास लगने पर भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

जब आपको बहुत प्यास लगे, तो खाने-पीने के लिए सही चीजों का चुनाव जरूरी है। कुछ खाने-पीने वाली चीजें आपकी प्यास और भी बढ़ा सकती हैं। आपको और भी ज़्यादा प्यासा महसूस करा सकते हैं। इसलिए आपको यह जानना कि किन चीजों से बचना चाहिए, जो आपको हाइड्रेटेड रहने में मदद कर सकता है। आइए नज़र डालें उन चीजों पर जो आपकी प्यास को और भी बढ़ा सकते हैं और इसके साथ ही यह भी जानते हैं कि प्यास लगने पर बेहतर महसूस करने के लिए आपको कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए।

प्यास लगने पर आपको सबसे पहले यहां दिए कुछ चीजों को खाने से बचना चाहिए:

नमकीन स्नैक्स

चिप्स, प्रेट्ज़ेल और नमकीन नट्स न खाएं। इन स्नैक्स में नमक की मात्रा अधिक होती है। नमक से आपके शरीर को और अधिक पानी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए इनका सेवन करने से आपको और भी अधिक प्यास लग सकती है।

मसालेदार भोजन

गर्म मिर्च, मसालेदार सॉस और मसालेदार स्नैक्स खाने से बचें। मसालेदार भोजन आपके शरीर के तापमान को बढ़ाता है। इससे आपको पसीना आता है और अधिक पानी की कमी होती है। मसालेदार भोजन खाने के बाद आपको अधिक प्यास लगेगी।

मीठा भोजन

कैंडी, कुकीज़ और मीठे पेय से प्यास बुझाने की कोशिश न करें। इसमें मौजूद उच्च शर्करा स्तर आपके मुंह को सूखा महसूस करा सकता है। चीनी को संतुलित करने के लिए आपके शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। मीठे खाद्य पदार्थ खाने के बाद आपको ज्यादा प्यास लग सकती है।

कैफीन युक्त पेय

कॉफी, चाय और एनर्जी ड्रिंक न पिएं। कैफीन एक मूत्रवर्धक है, जिसका मतलब है कि यह आपको ज़्यादा पेशाब करवाता है। इससे आपके शरीर से ज़्यादा पानी निकल सकता है। प्यास लगने पर कैफीन युक्त पेय पीने से आप ज़्यादा डिहाइड्रेट हो सकते हैं।

प्यास लगने पर सबसे अच्छे ऑप्शन

प्यास लगने से सबसे पहले पानी पीना सबसे अच्छा है। पानी आपके शरीर को जल्दी से हाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है। इसके अलावा आप पानी से भरपूर फल और सब्जियाँ खाएं जैसे तरबूज, खीरा और संतरे। हर्बल चाय भी अच्छा ऑप्शन है, ये हाइड्रेटिंग और कैफीन-मुक्त हैं। नारियल पानी भी प्यास बुझा सकते हैं, इसमें प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं और यह बहुत हाइड्रेटिंग होता है।

मानसून में स्किन प्रॉब्लम से पाएं छुटकारा

मानसून के मौसम में आपकी त्वचा को कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। मौसम में नमी होती है, जिससे मुहांसे, फंगल संक्रमण और चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यहां मानसून में होने वाली त्वचा की आम समस्याओं के उपचार और रोकथाम के कुछ आसान तरीके दिए गए हैं:

मुहांसे और फुंसियां

अपनी त्वचा को साफ रखें। अपने चेहरे को दिन में दो बार हल्के क्लींजर से धोएं। इससे गंदगी और तेल निकल जाता है जो मुहांसे पैदा कर सकता है।

टोनर का इस्तेमाल करें

धोने के बाद अपने चेहरे पर हल्का टोनर लगाएं। टोनर रोमछिद्रों को बंद करने और तैलीयपन को कम करने में मदद करता है।

भारी मेकअप से बचें

भारी मेकअप रोमछिद्रों को बंद कर सकता है और मुहांसे पैदा कर सकता है। ज़रूरत पड़ने पर हल्का मेकअप करें।

टी ट्री ऑयल

सूजन को कम करने के लिए मुहांसे पर थोड़ा सा टी ट्री ऑयल लगाएं। इसमें जीवाणुरोधी गुण होते हैं जो मुहांसे दूर करने में मदद करते हैं।

चकत्ते और खुजली

एलोवेरा जेल

चकत्ते और खुजली को शांत करने के लिए ताज़ा एलोवेरा जेल लगाएं। एलोवेरा में ठंडक और उपचार गुण होते हैं।

ओटमील बाथ

अपने नहाने के पानी में एक कप ओटमील मिलाएं। ओटमील खुजली को कम करने और आपकी त्वचा को शांत करने में मदद कर सकता है।

कुछ जरूरी सुझाव

हाइड्रेटेड रहें

अपनी त्वचा को अंदर से हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पिएं।

संतुलित आहार

विटामिन और खनिजों के लिए फल और सब्जियां खाएं।

मॉइस्चराइज़ करें

अपनी त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए लाइट और वाटर बेस्ड मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करें। इन आसान टिप्स को अपनाकर आप मानसून के मौसम में अपनी त्वचा को स्वस्थ और साफ़ रख सकते हैं। साफ रहें, सूखे रहें और अपनी त्वचा की चिंता किए बिना मानसून का आनंद लें!

फंगल इंफेक्शन

अपनी त्वचा को सूखा रखें। नमी से फंगल संक्रमण हो सकता है, खासकर पैरों और अंडरआर्म्स जैसे क्षेत्रों में। नहाने के बाद इन क्षेत्रों को अच्छी तरह सुखाएं।

एंटीफंगल पाउडर का इस्तेमाल करें

संक्रमण को रोकने के लिए एंटीफंगल पाउडर लगाएं। यह त्वचा को सूखा और फंगस से मुक्त रखने में मदद करता है।

सांस लेने योग्य कपड़े पहनें

सूती या हल्के कपड़े चुनें जो आपकी त्वचा को सांस लेने दें। ऐसे तंग कपड़े न पहनें जो नमी को रोकते हैं।

नीम के पत्ते

नीम के पत्तों को पानी में उबालें। इसे ठंडा करके प्रभावित क्षेत्रों को धोने के लिए इस्तेमाल करें। नीम में प्राकृतिक एंटीफंगल गुण होते हैं।

एनीमिया का खतरा: लक्षण दिखने पर हो जाएं सावधान

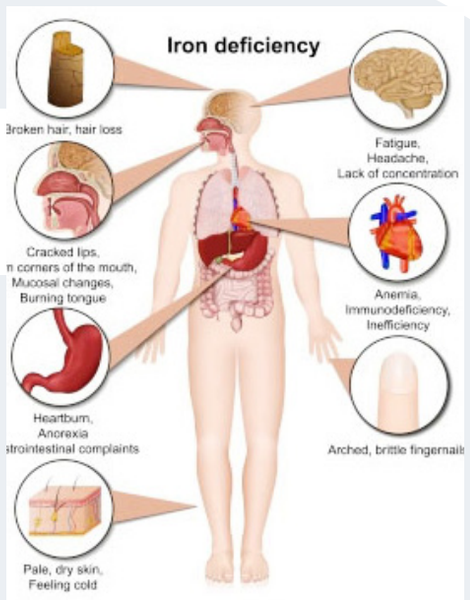

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके रक्त में आपके शरीर के टिश्यू तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए पर्याप्त हेल्दी रेड ब्लड सेल्स नहीं होती हैं। इससे आप थका हुआ और कमजोर महसूस कर सकते हैं। एनीमिया के जोखिम को बढ़ाने वाले कारणों को समझना और लक्षणों को जानना आपको स्वस्थ रहने में मदद कर सकता है।

एनीमिया के जोखिम को बढ़ाने वाले कारण

खराब आहार:

आयरन की कमी: आयरन रेड ब्लड सेल्स को बनाने के लिए आवश्यक है। यदि आप बीन्स या पालक जैसे पर्याप्त आयरन युक्त खाद्य पदार्थ नहीं खाते हैं, तो आप एनीमिया से पीड़ित हो सकते हैं।

विटामिन बी12 की कमी: विटामिन बी12 आपके शरीर को रेड ब्लड सेल्स को बनाने में मदद करता है। यह मांस, डेयरी और अंडे में पाया जाता है। पर्याप्त बी12 न मिलने से एनीमिया हो सकता है।

फोलेट की कमी: फोलेट रेड ब्लड सेल्स के लिए आवश्यक एक और पोषक तत्व है। यह हरी पत्तेदार सब्जियों, नट्स और बीन्स में पाया जाता है। कम फोलेट वाला आहार एनीमिया का कारण बन सकता है।

क्रोनिक रोग:

गुर्दे की बीमारी: आपके गुर्दे एक हार्मोन बनाते हैं जो रेड ब्लड सेल्स को प्रोड्यूस करने में मदद करता है। यदि आपके गुर्दे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, तो यह हार्मोन पर्याप्त रूप से नहीं बनता है, जिससे एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है।

कैंसर: कुछ कैंसर और कैंसर ट्रीटमेंट जो रेड ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे एनीमिया होता है।

सूजन संबंधी रोग: रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियां शरीर की आयरन का ठीक से उपयोग करने की क्षमता में बाधा डाल सकती हैं, जिससे एनीमिया होता है।

रक्तस्राव:

मासिक धर्म: भारी मासिक धर्म के कारण बहुत अधिक रक्तस्राव हो सकता है, जिससे एनीमिया हो सकता है। खासकर उन महिलाओं में जो पर्याप्त आयरन युक्त खाद्य पदार्थ नहीं खाती हैं।

आंतरिक रक्तस्राव: अल्सर या बवासीर जैसी स्थितियां आंतरिक रक्तस्राव का कारण बन सकती हैं। इससे रेड ब्लड सेल्स की हानि और एनीमिया हो सकता है।

एनीमिया के लक्षण

अगर आपको ये लक्षण दिखें तो सावधान हो जाइए:

थकान: असामान्य रूप से थका हुआ या कमज़ोर महसूस होना।

पीली त्वचा: यह देखना कि आपकी त्वचा सामान्य से ज़्यादा पीली दिख रही है।

सांस फूलना: थोड़ी-सी गतिविधि के बाद भी सांस फूलना।

चक्कर आना: हल्का-हल्का या चक्कर आना।

हाथ और पैर का ठंडा होना: लगातार ठंड लगना, खास तौर पर आपके हाथ-पैरों में।

सीने में दर्द: सीने में दर्द होना, जो ज़्यादा गंभीर एनीमिया का संकेत हो सकता है।

रोकथाम और उपचार

संतुलित आहार लें: आयरन युक्त खाद्य पदार्थ (जैसे मांस, बीन्स और पालक), विटामिन बी12 (मांस, डेयरी और अंडे में पाया जाता है), और फोलेट (हरी पत्तेदार सब्ज़ियों, नट्स और बीन्स में पाया जाता है) शामिल करें।

सप्लीमेंट लें: अगर आपका आहार ही पर्याप्त नहीं है, तो आयरन, बी12 या फोलेट सप्लीमेंट पर विचार करें। कोई भी सप्लीमेंट शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

पुरानी बीमारियों का प्रबंधन करें: स्वास्थ्य सेवा प्रदाता की मदद से किडनी की बीमारी, कैंसर और सूजन संबंधी बीमारियों जैसी स्थितियों को नियंत्रण में रखें।

नियमित जांच: नियमित रक्त परीक्षण एनीमिया का जल्द पता लगाने में मदद कर सकते हैं। इन जोखिमों को समझकर और लक्षणों के प्रति सतर्क रहकर, आप एनीमिया को रोकने और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कदम उठा सकते हैं। यदि आपको संदेह है कि आपको एनीमिया है, तो उचित निदान और उपचार योजना के लिए डॉक्टर से मिलें।

थके हुए पैरों के लिए बेहतरीन मसाज

थके हुए और सूजे हुए पैर बहुत असहज हो सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि सरल प्राकृतिक मालिश आपके पैरों को बेहतर महसूस करने में मदद कर सकती है? ये आसान तकनीकें सूजन को कम कर सकती हैं और थकान से राहत दिला सकती हैं, जिससे आपके पैर फिर से चार्ज हो सकते हैं। आइए कुछ प्रभावी और सुखदायक पैर मालिश के बारे में जानें जिन्हें आप घर पर आज़मा सकते हैं।

सूजन और थकान को कम करने के लिए यहां कुछ सरल और प्रभावी मालिश दी गई हैं:

पैर को भिगोएं और मालिश करें

एक बेसिन में गर्म पानी भरें। इसमें थोड़ा सा एप्सम सॉल्ट या लैवेंडर या पेपरमिंट जैसे एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालें। आराम करने और सूजन कम करने के लिए अपने पैरों को 15-20 मिनट तक भिगोएं। भिगोने के बाद मालिश करें। अब अपने पैरों को तौलिए से सुखाएं। अपने हाथों पर थोड़ा सा तेल या लोशन लगाएं। अपने पैरों की मालिश धीरे-धीरे करें, अपने अंगूठों का उपयोग करके तलवों पर दबाएं। अपने पैरों के आर्च, एड़ी और तलवों पर ध्यान दें। लगभग 5-10 मिनट तक प्रत्येक पैर की मालिश करें।

रोलिंग मसाज

टेनिस बॉल का उपयोग करें। इसके लिए आरामदायक कुर्सी पर बैठें। अपने पैर के नीचे टेनिस बॉल या इसी तरह की कोई छोटी बॉल रखें। अपने पैर के नीचे बॉल को एड़ी से लेकर पंजों तक घुमाएं। तनाव दूर करने में मदद के लिए हल्का दबाव डालें। प्रत्येक पैर पर 5-10 मिनट तक ऐसा करें।

फुट रोलर का इस्तेमाल

आप फुट रोलर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसे पैरों की मालिश के लिए डिज़ाइन किया गया है। रोलर पर अपने पैर को आगे-पीछे घुमाएं। यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद करता है।

बर्फ की मालिश

बर्फ का उपयोग करना एक पतले कपड़े या तौलिये में कुछ बर्फ के टुकड़े लपेटें। अपने पैरों पर धीरे से बर्फ के पैक को रगड़ें। कुछ मिनटों के लिए सूजन वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें। बर्फ सूजन को कम करने और दर्द को सुन्न करने में मदद करती है। गर्म और ठंडे का बारी-बारी से करें इस्तेमाल। पैरों को गर्म पानी से भिगोने और बर्फ की मालिश के बीच बारी-बारी से उपयोग करें। इससे रक्त प्रवाह में सुधार और थकान कम होने में मदद मिलती है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए।

वृष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

मिथुन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें।

कर्क क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं।

सिंह नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा।

कन्या मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

तुला यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी।

वृश्चिक वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें।

धनु कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी।

कुंभ प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

लक्ष्मी योग हथेली पर बनने वाला एक विशेष योग है

ऐसा तब होता है जब हथेली का कई योग एक साथ मिलता है होता है। जो धन देवी लक्ष्मी का प्रतीक है। यह योग कई रूपों में बन सकता है।

त्रिभुज योग:

हथेली के बुध पर्वत (छोटी उंगली के नीचे का भाग) पर त्रिभुज का निर्माण लक्ष्मी योग का संकेत देता है। माना जाता है कि ऐसे योग हो तो जातक के एक से अधिक मकान बन सकते हैं।

कमल योग:

हथेली के केंद्र में कमल के फूल जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

शंख योग:

हथेली के शुक्र पर्वत (अंगूठे के नीचे का भाग) पर शंख जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का संकेत हो सकता है।

अंगूठे का विशेष चिह्न:

अगर अंगूठे के नाखून के नीचे त्रिकोण या रेखा का चिह्न हो तो यह भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

प्रियंका जैन
9769994439

कैसे बदल सकती है किस्मत ?

जिनके हाथ में त्रिभुज योग, कमल योग, शंख योग आदि एक साथ होते हैं तो उसे लक्ष्मी योग माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों के जीवन में धन, समृद्धि, और ऐश्वर्य प्राप्त होता है।

मान्याताओं के अनुसार ऐसे व्यक्ति को बहुत कम मेहनत में ही अधिक धन की आमदनी होती है। लक्ष्मी योग से युक्त व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेता है और जीवन में उच्च पद प्राप्त करता है।

इन व्यक्तियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी प्रचुर मात्रा में होती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लक्ष्मी योग का प्रभाव व्यक्ति की जन्मकुंडली और अन्य हस्तरेखा चिन्ह पर भी निर्भर करता है।

अगर आपके हाथ में लक्ष्मी योग है तो यह आपके लिए शुभ संकेत।

खबर संक्षेप

राजस्थान में खोले जाएंगे नए स्कूल, कोटा में बनेगा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा सत्र की शुरूआत से एक दिन पहले भजनलाल कैबिनेट में कई अहम फैसले लिए गए। राजस्थान में कई नए स्कूल खोले जाएंगे। साथ ही कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनेगा। इसके अलावा राजस्थान के कई एयरपोर्ट पर कार्गो फैसिलिटी शुरू की जाएगी। डिप्टी सीएम डॉ। प्रेमचंद बैरवा, राज्यवर्धन राठौड़ और जोगाराम पटेल ने भजनलाल सरकार द्वारा कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी।

डिप्टी सीएम डॉ। प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान को विकसित बनाने के लिए भजनलाल सरकार लगातार प्रयासरत है। उच्च शिक्षा में 3 कॉलेज को क्रमोन्नयन किया गया है। प्रदेश में तीन फ्लाइंग स्कूल खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि किशनगढ़, भीलवाड़ा और झालावाड़ में फ्लाइंग स्कूल खुलने से रोजगार सृजन होगा

करौली सड़क हादसा; मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान

करौली। राजस्थान के करौली में सोमवार को करौली-मंडरायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास बोलेरो और ट्रक की टक्कर हो गई थी। इसमें 2 बच्चों व 6 महिलाओं समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी। 4 लोग घायल हुए थे। बोलेरो में सवार लोग कैला देवी के दर्शन करके लौट रहे थे। मृतकों में से 6 लोग और घायलों में से 2 लोग मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले थे। इसके अलावा 3 मृतक करौली के खिरकन गांव के रहने वाले थे। हादसे में मृतकों के परिजनों ने शवों के पोस्टमॉर्टम से पहले जमकर विवाद किया। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे मुआवजे की मांग पूरी नहीं होने पर पोस्टमॉर्टम कराने से परिवार वालों ने इनकार कर दिया। जिसके बाद मंडरायल के तहसील महेंद्र गुप्ता, करौली सदर थाना अधिकारी योगेश शर्मा मंडरायल डीएसपी अनुज शुभम, करौली एडीएम राजवीर सिंह चौधरी और श्योपुर के विजयपुर तहसील के एसडीएम वीएस श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे थे। इन अधिकारियों ने परिवार वालों को समझाने का प्रयास किया हालांकि सफल नहीं हो सके। आखिरकार मुआवजा नहीं देने की स्थिति में परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। जिसके बाद प्रशासन ने 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया है। राजस्थान के 2 मृतकों के परिवार को राजस्थान सरकार और एमपी के 7 मृतक के परिवार वालों को एमपी सरकार 4-4 लाख रुपए देगी। राजस्थान सरकार 2 घायलों को 20-20 हजार रुपए देगी। अन्य सरकारी सहायता का लाभ भी दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया केस

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का हुआ भंडाफोड़

एजेंसी । गिरिडीह

गिरिडीह जिले के डुमरी थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी की एक ट्रक को 48 घंटे के अंदर बरामद करने के साथ गिरोह के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया है। गिरोह के पास से एक कार को भी बरामद किया है।

29 जून को हुई थी ट्रक की चोरी

बता दें कि डुमरी थाना क्षेत्र के कुलगो से बीते 29 जून को एक 12 चक्का ट्रक की चोरी हुई थी। ट्रक के चोरी होने से सम्बंधित आवेदन मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और गिरिडीह के एसपी दीपक शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठन किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के अंदर चोरी हुई 12 चक्का ट्रक को बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना में संलिप्त अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के एक सदस्य और चोरी की घटना में इस्तेमाल किए गए कार को बरामद किया है।

चोरी के तार बिहार से जुड़े

इस मामले को लेकर डुमरी के एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि चोरी हुआ ट्रक बिहार के जहानाबाद से बरामद किया गया है, जबकि पकड़े गए गिरोह का सदस्य और कार को भी जहानाबाद से ही बरामद किया गया है। फिलहाल पूछताछ में पकड़े गए गिरोह के सदस्य बिहार के जहानाबाद निवासी बबन कुमार ने बताया कि घटना को अंजाम देने में चार लोग शामिल थे। फिलहाल तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। बताया गया कि चोरी की गई ट्रक को गिरोह के सदस्यों के द्वारा रंग-पेंट कर ट्रक को अवैध धंधे में लगा दिया जाता था।

अजय नदी का जलस्तर बढ़ने से दरका अस्थायी सेतु

एजेंसी । पानागढ़

पश्चिम बर्दवान के कांकसा और बीरभूम जिले के इलमबाजार के जयदेव केंदुली के बीच बह रही अजय नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे नदी पर बने अस्थायी सेतु में दरार पड़ने लगी है। फिर भी उससे भारी वाहनों की आवाजाही जारी है। इस चिंताजनक स्थिति पर दोनों ही जिलों का प्रशासन मौन है। ऐसे में कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। बताया गया है कि बरसात शुरू होते ही अजय नदी (Ajay River) का जलस्तर बढ़ने लगा है। नदी पर बने अस्थायी पुल पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कई जगह सेतु में दरार आ गयी है। उससे ट्रक व अन्य भारी वाहन गुजर रहे हैं। नदी के दोनों ओर के जिले के लोग जान हथेली पर रख कर पुल से आवाजाही कर रहे हैं। यह अस्थायी पुल पश्चिम बर्दवान के कांकसा ब्लॉक के शिवपुर और बीरभूम जिले के इलमबाजार के जयदेव के बीच मौजूद है। इसे लेकर चिंताएं धीरे-धीरे बढ़ती जा रही हैं।स्थानीय लोगों को डर है कि दरकते अस्थायी सेतु से भारी गाड़ियों के लगातार गुजरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस स्थिति पर जिला प्रशासन को ध्यान देना चाहिए, लेकिन अभी तक उदासीनता ही दिखी है। लगातार बारिश से पड़ोस के झारखंड के शिकटिया जलाशय से पानी छोड़ा जा रहा है। नतीजन सोमवार रात से ही अजय का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

एसीबी का सचिव को तीन दिन में गायब फाइलें पेश करने का आदेश

एजेंसी । भीलवाड़ा

नगर विकास न्यास में मुआवजे में करोड़ों के घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) एक्शन में है। न्यास में घोटाले में एसीबी की कार्रवाई तेज हो गई है। एसीबी ने न्यास सचिव ललित गोयल को पत्र लिखा। इसमें घोटाले संबंधी गायब फाइलें तीन दिन में पेश करने को कहा। एसीबी का कहना है कि तीन दिन में फाइलें पेश नहीं की तो मामला संदिग्ध माना जाएगा। उधर, एसीबी की न्यास में एंट्री के बाद खलबली मची है। भूमाफिया और कॉलोनाइजर्स में हड़कम्प है। एसीबी अजमेर के एएसपी भागचंद मीणा ने मामले से जुड़े दस्तावेज खंगालने शुरू कर दिए। गौरतलब है कि घोटाले में एसीबी टीम रविवार को छुट्टी के बावजूद न्यास पहुंची थी। वहां घोटाले संबंधी दस्तावेज कब्जे में लिए। एसीबी टीम के लौटने के दूसरे दिन सोमवार को कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। अधिकारी व कर्मचारी अपने कक्ष में बैठ रिपोर्ट तैयार करने में लगे रहे। कुछ कर्मचारियों ने बंद कमरे में काम किया। उधर, न्यास को लगभग 600 पत्रावलियां मिलने का दावा किया जा रहा है। दूसरी और अधिकारी व कर्मचारी मामले में लीपापोती में जुट गए। मानचित्र शाखा में पूर्व में कार्यरत कार्मिक ने बताया कि जो पत्रावलियां गायब है, वह दलालों के पास है जो जल्द न्यास कार्यालय में आएगी।

DGM की पत्नी से सोने की चेन और हजारों रुपए लूटकर अपराधी फरार

एजेंसी । जमशेदपुर

जमशेदपुर के टेल्को थाना अंतर्गत नीलडीह मेन रोड स्थित आईएसडब्ल्यूपीके डीजीएम मुकेश कुमार सिंह के घर में घुस कर मुकेश की पत्नी से हथियारबंद अपराधियों ने 10 हजार रुपये और सोने की चेन छीन फरार हो गये। जब महिला ने उन लोगों का विरोध किया तो अपराधियो ने हवाई फायरिंग कर वहां से चलते बने। घटना सोमवार देर रात की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार सिंह की पत्नी और बेटे किसी काम से बाहर गए थे।

बंदूक के बल पर मांगे रुपए

जानकारी के अनुसार रात करीब 10 ।30 से 11 बजे के बीच आईएसडब्ल्यूपीके के डीजीएम मुकेश कुमार सिंह की पत्नी और बेटे जैसे ही घर के अंदर घुसे। उनके पीछे पीछे तीन-चार की संख्या में अपराधी भी घर में प्रवेश कर गए। इसके बाद अपराधियों ने बंदूक के बल पर उसकी पत्नी से 10 हजार रुपये की मांग की। उनके हाथों में बंदूर देखकर उसकी पत्नी डर गयी और अपराधियों को रुपये दे दी। उस वक्त उनकी नजर महिला के चेन पर पड़ी तो उसे भी देने को कहा। जिसका उन्होंने विरोध किया।

अपराधियों ने की हवाई फायरिंग

इसके बाद अपराधियों ने हवाई फायरिंग की और महिला के गले से चेन छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद जमशेदपुर टेल्को के थाना प्रभारी शैलेंद्र दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गये। फिलहाल सभी अपराधियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि सभी अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस और शासन तैयार

चीफ सेक्रेटरी समेत डीजीपी 6 जुलाई को करेंगे अधिकारियों के साथ मीटिंग

एजेंसी । मेरठ

यूपी के मेरठ में आगामी एक हफ्ते में कावड़ यात्रा को लेकर कई अधिकारियों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। 22 जुलाई से शुरू होने वाली कावड़ यात्रा को लेकर एक जून को देहरादून में कई राज्यों के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। अब अगली बैठक मेरठ में होनी है। इससे पहले रूट डायवर्ट, सुरक्षा, साफ-सफाई, पानी आदि व्यवस्थाओं को लेकर फाइनल टच देने की तैयारी चल रही है।

22 जुलाई से कावड़ यात्रा शुरू

आगामी 22 जुलाई से कावड़ यात्रा शुरू होने वाली है। इसी यात्रा को लेकर एक जुलाई को देहरादून में यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल सहित अन्य राज्यों के अधिकारियों की बैठक हुई थी। इस बैठक में रेलवे, सरकारी ट्रांसपोर्ट, आईबी, एसटीएफ सहित कई अधिकारियों ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। अब आगामी अगली बैठक मेरठ में होनी है। इस बैठक का नेतृत्व यूपी के चीफ सेक्रेटरी डीजीपी करेंगे, जिसमें कई राज्यों के एसएसपी, एसपी ट्रैफिक, इंटेलिजेंस विभाग, नगर निगमों, छावनी परिषद के अधिकारी मौजूद रहेंगे। मेरठ जोन एडीजी ध्रुवकांत ठाकुर ने NBT संवाददाता से हुई बातचीत में बताया की देहरादून की बैठक में कई बिदुओं में सभी की सहमति बनी। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा एक पावन त्यौहार है और 15 दिनों से ज्यादा चलने वाला है। महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है कि ये कई राज्यों और कई विभागों से जुड़ा होता है। कई राज्यों के कावड़ियों का हरिद्वार जाना और आना होता है।

अपराधियों के निशाने पर सीएसपी संचालक

दो दिनों में हथियार के बल पर लूटे 8.81 लाख

एजेंसी । बेतिया

बिहार के बेतिया में दो दिन में अपराधियों ने सीएसपी संचालक से लूट की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है। सोमवार को अपराधियों ने नरकटियागंज-साठी मार्ग के हिच्छोपाल रेलवे ढाला के समीप हथियार के बल पर 4.91 लाख रुपये लूट लिये गए। वहीं मंगलवार को बेतिया-चनपटिया पथ पर मुसहरी गांव के समीप बेखौफ

बदमाशों ने दिनदहाड़े हथियार के बल पर एसबीआई के सीएसपी संचालक से 3.90 लाख रुपये लूट लिए। यानि दो दिन में अपराधियों ने कुल 8.81 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया।

चनपटिया में सीएसपी संचालक से 3.90 लाख की लूट

जानकारी के अनुसार मंगलवार को दो बाइक पर बैठे तीन-चार बदमाशों ने बेतिया-चनपटिया पथ सीएसपी संचालक से 3 ।90 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद के बाद बदमाश घटनास्थल से सिंगहा चंवर होते हुए लगुनाहा गांव की ओर भाग निकले। इसके बाद सीएसपी संचालक ने घटना की सूचना थाना पहुंचकर चनपटिया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस सीएसपी संचालक के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई है।

सीएसपी जाने के दौरान हुई लूट

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के खोरा मेंहदीया निवासी विपिन प्रसाद का पुत्र मनीष कुमार मिश्रौली चौक पर एसबीआई का सीएसपी चलाता है। मंगलवार को वह बेतिया स्थित अपने किराए के मकान से सीएसपी का संचालन करने मिश्रौली गांव आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में महना-कैथवलिया चौक के बीच मुसहरी गांव के समीप बदमाशों ने ओवरटेक कर मनीष की बाइक रुकवा दी।

वारंटी के नाम पर भरमाने का खेल बंद होगा

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वाली कंपनियों पर सख्त रुख अख्तियार किया है। सरकार का कहना है कि वॉरंटी के नाम पर उपभोक्ताओं को धोखा देने की कोशिश न की जाए। सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनियां वॉरंटी को लेकर ग्राहकों को साफ-साफ जानकारी मुहैया करवाएं। कंपनियां उत्पाद खरीदने वालों को उत्पाद की वॉरंटी अवधि के बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार ने कहा कि किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद की वॉरंटी उसकी बिक्री की तारीख से होती है न कि उत्पाद निर्माण की तारीख से। इस तरह की शर्त रखने उत्पाद की वॉरंटी कम हो जाती है। रिपोर्ट की मानें, तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 2(9) के तहत ग्राहक को किसी भी उत्पाद की सर्विस, गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक और कीमत के बारे में बिक्री से पहले सूचना पाने का अधिकार है। अक्सर देखने में आता है कि उपभोक्ता को उत्पाद की वॉरंटी के बारे में काफी घुमा-फिराकर बताया जाता है जिसमें कई शर्तें छुपी होती हैं। सामान पर 5 से 10 साल की वॉरंटी की बात कही जाती है जबकि उसके विवरणों का बारीकी से अध्ययन करने पर असली वारंटी काफी कम समय की होती है। उसमें भी तमाम तरह की शर्तें भी जोड़ी गई होती हैं। या फिर वारंटी किसी एक पुर्जे पर ही होती है जिसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।

भ्रामक विज्ञापनों पर सख्ती की तैयारी

केंद्र सरकार जल्द ही उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए 125-दिवसीय योजना के तहत आईएएस कोचिंग संस्थानों के लिए भ्रामक विज्ञापनों, सरोगेट विज्ञापनों, ग्रीनवाशिंग और अनचाहे कॉल पर दिशा-निर्देश जारी करेगी। भ्रामक विज्ञापनों और लोगों को खरीदारी के लिए लुभाने वाली अनैतिक भ्रामक प्रथाओं के माध्यम से उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन के बढ़ते मामलों के कारण यह कदम उठाया जाएगा। मामले से जुड़े दो सूत्रों ने कहा, हम उपभोक्ता से संबंधित अधिकांश मुद्दों के लिए दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में सभी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी कर दिया जाएगा। दिशा-निर्देश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाएंगे। मसौदा नियमों के अनुसार, सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों को उनकी सहमति के बिना अपने विज्ञापनों में टॉपर्स के व्यक्तिगत विवरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। ये दिशा-निर्देश भ्रामक और भ्रामक व्यापार प्रथाओं पर लगाम लगाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि उपभोक्ता इन कंपनियों के झूठे दावों से प्रभावित न हों।

सेंसेक्स ने 79,855 और निफ्टी ने 24,236 का हाई बनाया

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार ने 2 जुलाई को ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,855 और निफ्टी ने 24,236 का लेवल छुआ। हालांकि इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 34 अंक की गिरावट के साथ 79,441 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 18 अंक की गिरावट रही। ये 24,123 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी देखने को मिल रही है। बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। वहीं IT, एनर्जी और फार्मा शेयर्स में तेजी देखने को मिली है। NSE के सेक्टोरियल इंडेक्स में PSU बैंक में सबसे ज्यादा 1 ।81% की गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी बैंक में 0 ।77% और ऑटो में 0 ।76% की गिरावट रही। निफ्टी FMCG भी 0 ।85% फिसला है। वहीं निफ्टी IT में सबसे ज्यादा 1 ।17% की तेजी रही।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

- एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला है। जापान के निक्केई में 1 ।12% की बढ़त रही। ताइवान वेटेड में 0 ।78% और कोरिया के कोस्पी में 0 ।84% की गिरावट रही। वहीं शंघाई कंपोजिट में 0 ।07% और हैंगसेंग 0 ।29% ऊपर बंद हुआ।
- ICICI बैंक, SBI, एयरटेक, कोटक, ITC, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक ने आज बाजार को गिराया है। वहीं HDFC बैंक, L&T, इंफोसिस, रिलायंस, TCS, HCL टेक, पावर ग्रिड और सन फार्मा ने बाजार को ऊपर खींचा।
- सोमवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। डाओ जोंस 50 (0 ।13%) अंक चढ़कर 39,169 पर बंद हुआ। NASDAQ 146 (0 ।83%) अंकों की बढ़त के साथ 17,879 के लेवल पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 14 (0 ।27%) अंक चढ़कर 5,475 पर बंद हुआ।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का शेयर 13% ऊपर लिस्ट

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के शेयर में 13 ।13% की तेजी रही। कंपनी का शेयर NSE पर 36 ।90 रुपए चढ़कर 317 ।90 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले कंपनी का शेयर आज बाजार में 13% ऊपर लिस्ट हुआ। BSE पर इसका शेयर 13 ।20% (37 ।10 रुपए) 318 ।10 रुपए पर लिस्ट हुआ था। वहीं NSE पर कंपनी का शेयर 13 ।88% (39 रुपए) ऊपर 320 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 281 रुपए था।

बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले 1 जुलाई को, शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 443 अंक की तेजी के साथ 79,476 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 131 अंक की तेजी रही। ये 24,141 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में तेजी और 11 में गिरावट रही थी।

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है।

डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं।

एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर

भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

चीन द्वारा पेश एआई संबंधी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पारित

एजेंसी । संयुक्त राष्ट्र

गरीब और अमीर देशों के बीच एआई तकनीक तक पहुंच की खाई पाटने को चीन द्वारा सोमवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में प्रस्ताव पेश किया गया। अमेरिका ने भी इसे समर्थन दिया, बहुमत मिलने पर इसे पारित कर दिया गया। इस प्रस्ताव में धनी विकसित देशों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में गरीब विकासशील देशों के साथ बढ़ती खाई को पाटा जाए और उन्हें भी इसका उपयोग करने एवं उससे लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। इससे पहले 21 मार्च को एआई पर संयुक्त राष्ट्र का पहला प्रस्ताव पारित किया गया था जिसे अमेरिका ने प्रायोजित किया था और चीन समेत 123 देशों ने समर्थन दिया था। इस प्रस्ताव में यह सुनिश्चित करने के समर्थन दिया गया कि एआई सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद हो और सभी देश इसका लाभ उठा सकें। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत फु कांग ने कहा कि दोनों प्रस्ताव एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा, अमेरिकी प्रस्ताव अधिक सामान्य प्रकृति का है जबकि हाल में अपनाया गया प्रस्ताव क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। चीन के प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया।

सरकार ने GST का डेटा रिलीज करना किया बंद

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने GST का डेटा रिलीज करना बंद कर दिया है। GST लागू होने के बाद सरकार हर महीने की पहली तारीख को इसका डेटा जारी करती थी। 74 महीने से ऐसा किया जा रहा था। केंद्र की ओर से मासिक डेटा जारी करना बंद करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में GST लागू किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था। GST के 7 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय ने पिछले सात वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर पोस्ट किया।

जून महीने में सरकार ने GST से 1.74 लाख करोड़ जुटाए

सरकार ने जून महीने का GST कलेक्शन का डेटा जारी नहीं किया है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्टों में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जून में GST संग्रह 1 ।74 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के जून की तुलना में लगभग 8% ज्यादा है। पिछले साल जून में सरकार ने GST से 1 ।61 लाख करोड़ रुपए GST से जुटाए थे। वहीं अगर मई 2024 के कलेक्शन को देखें तो सरकार ने तब GST से 1 ।73 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। यानी, मई और जून का कलेक्शन लगभग बराबर रहा है। सरकार ने जून 2024 में 1 ।74 लाख करोड़ रुपए GST वसूल किया है।

वनडे विश्व कप के फाइनल में हार के बाद कप्तान के अनुरोध पर ही कोच बने रहने के लिए माने थे राहुल

रोहित के कहने पर पद पर बना रहा :द्रविड़

एजेंसी । ब्रिजटाउन

भारतीय क्रिकेट टीम के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने वनडे विश्व कप के फाइनल में हार के बाद पद छोड़ने का इरादा कर लिया था। कप्तान रोहित शर्मा के फोन पर अनुरोध के बाद उन्होंने टी-20 विश्व कप तक बने रहने का फैसला किया। द्रविड़ ने टी-20 विश्व चैंपियन बनने के बाद टीम को दिए अपने विदाई भाषण में यह खुलासा किया। उनका कार्यकाल वनडे विश्व कप के साथ समाप्त हो गया था। भारत लगातार दस मैच जीतने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था। कोचिंग स्टाफ को हालांकि शनिवार को समाप्त हुए टी-20 विश्व कप के अंत तक विस्तार मिला था। टीम ने द्रविड़ के मार्गदर्शन में अपना दूसरा टी-20 विश्व कप जीता लेकिन उन्होंने इस भूमिका में बने रहने के लिए फिर से आवेदन नहीं किया।

'मेरे पास आमतौर पर शब्दों की कमी नहीं होती लेकिन आज जैसे दिन पर, जब मैं इसका हिस्सा बना, मैं आप सभी का, मेरे कोचिंग स्टाफ और मेरे सहयोगी स्टाफ के प्रति दिखाए गए सम्मान, दयालुपन और आपके प्रयासों के लिए जितना आभारी हूं, उतना कम है। एक बेहतरीन टीम के पीछे एक सफल संगठन भी होता है। हमें बीसीसीआई और पर्दे के पीछे के लोगों के काम की सराहना करनी चाहिए।' -राहुल द्रविड़

इस सफलता के लिए खिलाड़ियों ने बहुत बलिदान दिए

द्रविड़ ने कहा, मैं आप लोगों पर बहुत गर्व करता हूं, जिस तरह से आपने वापसी की, जिस तरह से आपने संघर्ष किया, जिस तरह से हमने एक टीम के रूप में काम किया...लचीलापन दिखाया। पिछले कुछ वर्षों में कुछ निराशा हुई, जहां हम करीब आए लेकिन हम कभी रेखा को पार नहीं कर पाए। आप सभी ने बहुत सारे बलिदान किए हैं, अपने परिवारों को आज यहां इसका आनंद लेते हुए देखने के लिए, आपके परिवार के कई सदस्य घर पर हैं। बस उन सभी बलिदानों के बारे में सोचें, जो आप अपने बचपन से लेकर अब तक ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनने के लिए करते आए हैं। आपके माता-पिता, आपकी पत्नी, आपके बच्चों, आपके भाई, आपके कोच, बहुत से लोगों ने बहुत सारे बलिदान किए हैं। इस पल में इस स्मृति का आनंद लेने के लिए आपके साथ बहुत मेहनत की है। आप लोगों के साथ इस स्मृति का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है।

रोहित को धन्यवाद

द्रविड़ ने मंगलवार को बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, रो (रोहित), नवंबर में मुझे फोन करने और टीम के साथ जुड़े रहने के लिए कहने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे लगता है कि आप सभी के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य और खुशी की बात है। लेकिन रो, समय देने के लिए भी धन्यवाद...हमने बातचीत करने, चर्चा करने, सहमत होने और असहमत होने में बहुत समय बिताया लेकिन आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी को ये पल याद होंगे। हम हमेशा कहते हैं, यह रनों के बारे में नहीं है, यह विकेटों के बारे में नहीं है। आप अपने करियर को कभी याद नहीं रखते हैं, लेकिन आप इस तरह के पलों को याद रखते हैं, इसलिए आओ और इसका लुत्फ उठाओ।

सुदर्शन, जितेश और राणा भारतीय टीम में

एजेंसी । नई दिल्ली

साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को जिंबाब्वे के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। इन तीनों को मंगलवार को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल के विकल्प के तौर पर टीम में जगह दी गई है। विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल दुबे, सैमसन, और यशस्वी को जिंबाब्वे जाने वाली टीम से जुड़ना था। तूफान बेरिल के कारण वे बारबाडोस में फंसे हुए हैं। तीनों के दल के साथ बुधवार शाम सात बजकर 45 मिनट (भारतीय समयानुसार) पर स्वदेश पहुंचने की उम्मीद है।

रिंकू-खलील का विकल्प अभी नहीं

जिंबाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए तीनों शामिल

सैमसन, यशस्वी और दुबे की जगह लेंगे

विश्व कप टीम के साथ रिजर्व खिलाड़ी के रूप में गए तेज गेंदबाज खलील अहमद और बल्लेबाज रिंकू सिंह भी अभी बारबाडोस में है। बीसीसीआई ने इन दोनों के विकल्प की घोषणा नहीं की है जबकि ये भी जिंबाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम के सदस्य हैं। सुदर्शन अभी लंदन के द ओवल में सरे की ओर से काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। उनके तुरंत हरारे के लिए रवाना होने की उम्मीद है।

नंबर गेम

- 6 से 14 जुलाई तक दोनों टीमों को हरारे में खेलने हैं पांच टी-20 मैच
- 14वें खिलाड़ी होंगे गिल टीम इंडिया की टी-20 में अगुआई करने वाले
- 8वें खिलाड़ी बनेंगे शुभमान पिछले तीन साल में टीम की फटाफट क्रिकेट में कमान संभालने वाले

काउंटी में भारतीय

सुदर्शन और पृथ्वी नहीं खेल पाए बड़ी पारी

लंदन। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन और अनुभवी पृथ्वी साव मौजूदा इंग्लिश काउंटी सत्र में क्रमशः सरे और नॉर्थम्पटनशर की ओर से बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे। ये दोनों ही खिलाड़ी अपनी काउंटी टीम की ओर से दूसरे सत्र में खेल रहे हैं। एसेक्स के खिलाफ द ओवल में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए सरे ने पहली पारी में 262 रन बनाए। सुदर्शन ने 14 रन बनाए। पॉल वॉल्टर ने उन्हें दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी साइमन हार्मर के हाथों कैच कराया।

मुंबई के मैदानों से

रूहान और अन्विशा को खिताब

मुंबई। प्रथम वरीय रूहान भाटिया और अन्विशा घोरपड़े ने क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के बैडमिंटन कोर्ट पर संपन्न हुई स्पोर्ट्जफर्स्ट-सीसीआई एंड जीएमबीए योनेक्स सनराईज जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप क्रमशः बॉयज अंडर-13 और गर्ल्स अंडर-13 वर्ग के एकल मुकाबलों में खिताब हासिल किया। रूहान ने फाइनल में दूसरी वरीयता वाले कवीर मेहता को 17-21, 22-20, 21-14 से और अन्विशा ने तिया उग्रणकर को 21-11, 21-11 से हराया। इसके अलावा मिश्रित युगल के फाइनल में तारिणी सुरी और जावेद शेख की जोड़ी ने हरीषा दुबे और सिद्धेश राउत को 21-18, 13-21, 21-19 से, महिला युगल के फाइनल में हरीषा दुबे और तारिणी सुरी की जोड़ी ने नायशा कौर और सामिया शाह की जोड़ी को 21-23, 21-13, 21-7 से तथा पुरुष युगल के फाइनल में अर्जुन सुरेश और सिद्धेश राउत की जोड़ी ने सिद्धेश आरोसकर और दीपक जेटली की जोड़ी को 21-11, 21-11 से पराजित करके पहला स्थान प्राप्त किया।

कैथोलिक जिमखाना की भारी जीत

मुंबई। बांद्रा स्थित नेविल डिसूजा मैदान पर खेले गए मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन लीग 2023-24 द्वितीय डिवीजन के मैच में कैथोलिक जिमखाना ने पेणा मैड्रिडिस्टा एफसी को 5-1 के भारी अंतर पराजित किया। विजयी टीम की ओर से कौस्तुभ मेहर ने दो तथा जोशुआ डिसूजा, चैतन्य गुंद और भावेश मेहर ने एक-एक गोल दागा। एक अन्य मैच में जीकेडब्ल्यू रेन्जर्स ने एफसी मुंबईकर युथ को 3-0 से हराते हुए पूरे अंक बटोरे।

टेनिस ओसाका की छह साल में पहली जीत

एजेंसी । विंबलडन

नाओमी ओसाका ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में छह साल में पहली जीत दर्ज की। जापानी खिलाड़ी आसोका ने सोमवार देर रात कड़े मुकाबले में फ्रांस की डियाने पैरी को एक घंटे 32 मिनट में 6-1, 1-6, 6-4 से पराजित किया। गत यूएस ओपन ओपन चैंपियन कोको गॉफ, एम्मा राडूकानु, पाउला बडोसा और जेसिका पेगुला ने भी पहले दौर की बाधा पार कर ली।

दो बार की यूएस और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ओसाका 2019 में पहले दौर में हार के बाद पहली बार यहां खेल रही हैं। बारह महीने पहले आसोका अपनी बेटी शाई के जन्म के कारण टूर का हिस्सा भी नहीं थी। उनकी बेटी मंगलवार को एक साल की हुई। जनवरी में टूर पर वापसी से पूर्व 15 महीने तक बाहर रहीं ओसाका की विश्व रैंकिंग इस समय 113 है। अमेरिकी खिलाड़ी कोको ने कैरोलिन डोलेहाइड को 6-1, 6-2 से, राडूकानु ने रेनाटा जाराजुआ को 7-6, 6-3 से और बडोसा ने कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-3 से बाहर का रास्ता दिखाया।

नागल पहले दौर में बाहर

एजेंसी । लंदन

शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के पहले ही दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल को सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। पहली बार मुख्य ड्रॉ में खेल रहे भारतीय खिलाड़ी ने 44 सहज गलतियां की।

लखनऊ में श्रद्धा कपूर को प्रशंसकों ने घेरा

श्रद्धा कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जो इस वक्त सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

दरअसल, हाल ही में श्रद्धा एक कार्यक्रम के लिए लखनऊ गई थीं और शहर में उनकी मौजूदगी की भनक लगते ही प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। सामने आए वीडियो में अभिनेत्री के होटल के बाहर मौजूद भीड़ को उनकी एक झलक पाने के लिए बेकाबू होते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान श्रद्धा ने अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाई।

'स्त्री 2' में नजर आएंगी श्रद्धा

श्रद्धा को आखिरी बार फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में देखा गया था। फिल्म में उनकी और रणबीर कपूर की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आई थी। श्रद्धा के अभिनय की भी तारीफ हुई थी। इसके बाद से अभिनेत्री के प्रशंसक उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब श्रद्धा फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आएंगी। राजकुमार राव भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

'किल' का बनेगा हॉलीवुड रीमेक

पिछले काफी समय से फिल्म 'किल' चर्चा में है। करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं और अभिनेता लक्ष्य लालवानी इसके जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं।

यह फिल्म खास इसलिए भी है, क्योंकि इसके जरिए डांसिंग स्टार राघव जुयाल अभिनय जगत में अपनी किस्मत आजमाने वाले हैं। खबर ये है कि 'जॉन विक' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज बनाने वाले हॉलीवुड निर्देशक ने 'किल' की रिलीज से पहले ही इसका रीमेक बनाने की घोषणा कर दी है।

निर्माता ने इसे बताया भारतीय सिनेमा की बड़ी जीत

किल के सह-निर्माता अचिन जैन ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 'जॉन विक सीरीज बनाने वाले निर्देशक चैड स्टेल्स्की ने यह ऐलान किया है कि वह किल को अंग्रेजी भाषा में बनाएंगे। ये जानकारी हमारी इस फिल्म की रिलीज के पहले आई है और ये भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी जीत है। हम लोग सही मायने में अब सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'

निर्देशक ने भी जताया गर्व

फिल्म के निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ने जूम से कहा, 'मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि फिल्म का हॉलीवुड में रीमेक बन रहा है और वो भी उस टीम के जरिए, जिसने 'जॉन विक' जैसी कमाल की फिल्म सीरीज बनाई है। यह हमारे लिए फख्र की बात है कि रिलीज से पहले ही किसी भारतीय फिल्म के हॉलीवुड रीमेक की घोषणा हुई है। मेरे पास बहुत सी भारतीय कहानियां हैं, जिन्हें मैं दुनियारभर के दर्शकों तक पहुंचाना चाहता हूं।'

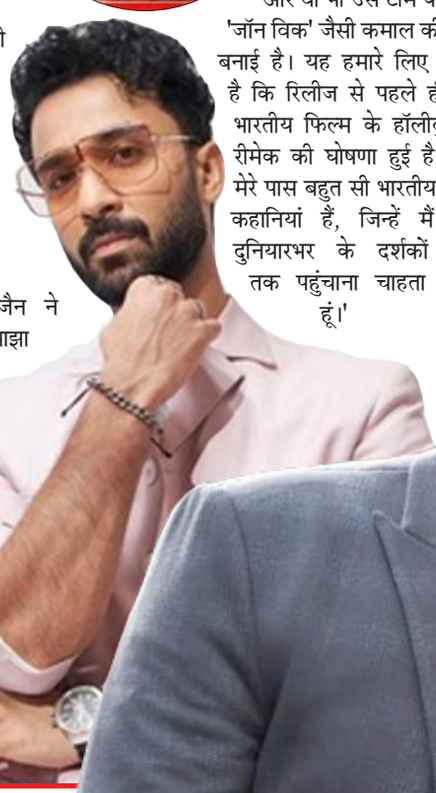

'सन ऑफ सरदार' का आएगा सीक्वल

सोनाक्षी सिन्हा की हो गई छुट्टी

अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और जूही चावला जैसे सितारों से सजी फिल्म 'सन ऑफ सरदार' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह फिल्म 13 नवंबर, 2012 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और महज 30 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 161.48 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब दर्शक 'सन ऑफ सरदार' की दूसरी किस्त का इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।

मृणाल ठाकुर ने ली सोनाक्षी की जगह

अफवाहों का बाजार गर्म है कि करीब 12 साल बाद 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल बन रहा है। अजय फिल्म में अपनी दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सोनाक्षी का फिल्म से पत्ता कट गया है। वह अपनी भूमिकाएं दोबारा नहीं निभाएंगी।

लीड हीरोईन के लिए निर्माताओं ने मृणाल ठाकुर से संपर्क किया है। 'सन ऑफ सरदार 2' की कहानी बिल्कुल नई होगी। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

डिज्नी+ हॉटस्टार पर उपलब्ध है फिल्म

'सन ऑफ सरदार 2' का निर्देशन अश्वनी धीर ने किया है। अजय देवगन इस फिल्म के निर्माता हैं। अश्वनी ने इस फिल्म की कहानी रॉबिन भट्ट के साथ लिखी है। सलमान खान ने इस फिल्म में मेहमान की भूमिका निभाई थी।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रंगभेद पर की बात

नवाजुद्दीन सिद्दीकी उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने साबित किया है कि अगर हुनर हो तो कोई भी आपको आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता। भले ही उन्हें बॉलीवुड में अपने लुक की वजह से खूब ताने सुनने को मिले, लेकिन वह अपने लक्ष्य पर डटे रहे। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। यही वजह है कि आज वो अपने करियर के एक खास मुकाम पर हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन ने रंग को लेकर होने वाले भेदभाव पर खुलकर बात की।

पता नहीं हमारी शक्लों से नफरत क्यों है- नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन ने कहा, 'पता नहीं शक्लों से हमारी नफरत क्यों है कुछ लोगों को, क्योंकि शक्ल ही ऐसी है। इतने बदसूरत हैं हम लोग। हमें भी लगता है, जब हम अपने आप को आइने में देखते हैं। हम भी बोलते हें अपने आप को कि क्यों आ गए हम इतनी गंदी शक्ल लेकर इंडस्ट्री में। मैं बॉलीवुड में सबसे बदसूरत अभिनेता हूं। मैं तो यह मानता हूं, क्योंकि मैं शुरू से ही यह सुनता आ रहा हूं।'

'समाज में भेदभाव है, इंडस्ट्री में नहीं'

नवाजुद्दीन बोले, 'मैं खुद को लेकर ऐसा मानने भी लगा हूं। हालांकि, मैं इंडस्ट्री का शुक्रिया अदा करता हूं कि इसने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया। फिल्म इंडस्ट्री से मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैं उन सभी निर्देशकों को दिल से शुक्रिया कहना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे अलग-अलग किरदार निभाने का मौका दिया। अगर आपके अंदर थोड़ी सी भी प्रतिभा है तो इंडस्ट्री बहुत कुछ देती है। समाज में भेदभाव है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में नहीं।'

न्यूज ब्रीफ

चिराग पासवान की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका दायर यर

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में हाल ही में बिहार की हाजीपुर लोकसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई। जिसके बाद मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह याचिका पटना उच्च न्यायालय में दायर की जानी चाहिए, क्योंकि लोकसभा चुनाव क्षेत्र बिहार में है और इस अदालत के पास सुनवाई का अधिकार नहीं होगा। हालांकि, अदालत ने इस मुद्दे पर एक चुनाव याचिका 28 अगस्त को सुनवाई के लिये सूचीबद्ध की है। यह याचिका कथित रूप से यौन उत्पीड़न का शिकार एक महिला द्वारा दायर की गई थी।

चीन द्वारा पेश एआई संबंधी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पारित

संयुक्त राष्ट्र। गरीब और अमीर देशों के बीच एआई तकनीक तक पहुंच की खाई पाटने को चीन द्वारा सोमवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में प्रस्ताव पेश किया गया। अमेरिका ने भी इसे समर्थन दिया, बहुमत मिलने पर इसे पारित कर दिया गया। इस प्रस्ताव में धनी विकसित देशों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में गरीब विकासशील देशों के साथ बढ़ती खाई को पाटा जाए और उन्हें भी इसका उपयोग करने एवं उससे लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। इससे पहले 21 मार्च को एआई पर संयुक्त राष्ट्र का पहला प्रस्ताव पारित किया गया था जिसे अमेरिका ने प्रायोजित किया था और चीन समेत 123 देशों ने समर्थन दिया था।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का मुद्दा उठा

नई दिल्ली। राज्यसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा हटाए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर भी सरकार पर हमला किया। मंगलवार को धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए महुआ माझी ने कहा कि संसद भवन में महात्मा गांधी और बाबा साहेब आंबेडकर के साथ-साथ भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा को भी उठाकर एक तरफ रख दिया गया। इतना ही नहीं बिरसा मुंडा की प्रतिमा को छोटा भी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पांच माह तक जेल में रखकर चुनाव से दूर रखा गया। उन्हें मानसिक प्रताड़ना दी गई। उन्होंने कहा कि इसकी भरपाई कौन करेगा? उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट तक ने कहा कि सोरेन के खिलाफ सरकार कोई सबूत पेश करने में कामयाब नहीं हुई। ऐसा ही सब कुछ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ हो रहा है।

भाजपा नेता को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी मिली है। इस संबंध में सिद्दीकी ने सोमवार को पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में कराची से धमकी देने की बात कही गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, सिद्दीकी को 21 जून को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर धमकी दी। उस व्यक्ति ने पाकिस्तान के कराची शहर का जिक्र करते हुए कहा कि अगर तुम लोग पैसे के लिए काम कर रहे हो तो हमारा बॉस तुम्हें सब पैसे देगा। अगर तुम पार्टी से दूरी बना लो। शिकायत के मुताबिक सिद्दीकी से कॉलर ने करीब 2 मिनट 46 सेकंड तक बात की।

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित

6.71 लाख से अधिक लोग इस प्राकृतिक आपदा की दूसरी लहर से प्रभावित, 13 मछुआरों को हेलीकॉप्टर की मदद से बचाया गया

एजेंसी । गुवाहाटी/ईटानगर

मानसून के चलते हो रही भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर राज्यों में लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और 6.71 लाख से अधिक लोग इस प्राकृतिक आपदा की दूसरी लहर से जूझ रहे हैं। इस बीच, वायु सेना ने बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित डिब्रूगढ़ जिले में फंसे 13 मछुआरों को हेलीकॉप्टर की मदद से बचाया है।

19 जिलों में 6 .5 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के बाद राज्य में बाढ़ से 19 जिलों में 6 .5 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित हुई है। राज्य में इस साल बाढ़, तूफान और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है। करीब तीन लाख लोग राज्यभर में बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। कुल 8,142 विस्थापित लोग 72 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। वहीं, मिजोरम की राजधानी आइजोल के बाहरी इलाके में मंगलवार को भूस्खलन के कारण एक इमारत आंशिक रूप से जमींदोज हो गई। इससे चार वर्षीय एक बच्ची समेत कम से कम तीन लोगों के मारे जाने की आशंका है। इसके अलावा, मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में प्रशासन ने नदी के समीप रह रहे लोगों से भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर तटबंध टूटने की आशंका को लेकर सतर्क रहने का अनुरोध किया है। इंफाल तथा नम्बुल नदी के डूब वाले इलाकों में लगातार बारिश होने की खबर है।

गुजरात : सड़कें डूबने से जूनागढ़ के 30 गांवों का संपर्क टूटा

गुजरात के जूनागढ़ जिले में भारी बारिश के कारण करीब 30 गांवों का संपर्क टूट गया है, क्योंकि यहां तक जाने वाली सड़कें जलमग्न हो गई हैं। जिले के वंथली में 24 घंटे की अवधि में 361 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं, राज्य के सौराष्ट्र और दक्षिण क्षेत्र के दस तालुकों में 24 घंटे की अवधि में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप निचले इलाके जलमग्न हो गए।

मानसून सामान्य से छह दिन पहले पूरे देश में पहुंचा

मानसून सामान्य तिथि से छह दिन पहले ही पूरे देश में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष भागों में और आगे बढ़ गया। इस प्रकार इसने दो जुलाई 2024 तक ही पूरे देश को कवर कर लिया, जबकि यह सामान्य रूप से आठ जुलाई तक पूरे देश में पहुंचता है। मानसून केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 30 मई को पहुंचा था जो सामान्य से दो से छह दिन पहले है। मौसम विभाग ने बताया, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 4 से 6 जुलाई को भारी बारिश होने का अनुमान है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में बुधवार को भारी बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड, पश्चिम व पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी 6 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा, दक्षिण-पूर्व पाकिस्तान में एक हल्के चक्रवात की स्थिति बन रही है। इसके प्रभाव से अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में हल्की से मध्यम बारिश, आंधी और बिजली गिरने की आशंका है।

'जो हिंदू धर्म का विनाश करता है, उसका विनाश धर्म कर देता है'

राहुल गांधी के बयान पर अब नूपुर शर्मा ने निकाली भड़ास

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में हिंदू मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण पर विवाद छिड़ गया है। राहुल गांधी ने सोमवार को बीजेपी पर देश में हिंसा, नफरत और डर फैलाने का आरोप लगाया, जिसपर केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के नेताओं ने राहुल गांधी से माफी की मांग की है। इसी बीच, भाजपा नेता नूपुर शर्मा ने भी इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो धर्म का विनाश करता है, धर्म उसका विनाश कर देता है।

नूपुर शर्मा ने राहुल गांधी के बयान पर क्या कहा?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नुपुर शर्मा ने एक पोस्ट कर कहा, 'हिंसक हिंदू नहीं बल्कि वो हैं जो हिंदुओं के नरसंहार की बात करते हैं। धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः। तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत् ॥ अर्थात- जो स्वधर्म (हिंदू) विमुख होकर धर्म का विनाश कर देता है, उस का विनाश धर्म कर देता है। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।' नूपुर शर्मा ने अपने पोस्ट में राहुल गांधी का नाम नहीं लिया है। शर्मा के इस पोस्ट पर उनके समर्थकों ने जमकर राहुल गांधी के खिलाफ भड़ास निकाली है।

राहुल गांधी के किस बयान पर हो रहा बवाल?

सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हिंदू कभी हिंसा नहीं कर सकता, कभी नफरत और डर नहीं फैला सकता। ये लोग हिंदू नहीं हैं, क्योंकि 24 घंटे हिंसा की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। भाजपा पूरा हिंदू समाज नहीं है। आरएसएस पूरा हिंदू समाज नहीं है। ये ठेका भारतीय जनता पार्टी का नहीं है। राहुल ने आगे कहा, ₹आप हिंदू हैं ही नहीं। हिंदू धर्म में साफ लिखा है सत्य के साथ खड़ा होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। ये इसलिए चिल्ला रहे हैं, क्योंकि तीर दिल में जाकर लगा है। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का आरोप है कि उन्होंने हिंदुओं को हिंसक बताया है, जबकि कांग्रेस और विपक्ष की ओर से सफाई दी जा रही है कि उनका आरोप भाजपा पर था। खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह ने भी संसद में आपत्ति जाहिर की थी।

अब मनमर्जी नहीं, जनमर्जी चलेगी : अखिलेश

एजेंसी । नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव परिणाम को सकारात्मक राजनीति की जीत करार दिया है। उन्होंने लोकसभा में मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणाम ने साफ कर दिया है कि देश अब मनमर्जी से नहीं बल्कि जनमर्जी से चलेगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 का दिन देश की आजादी का दिन था, तो चार जून सांप्रदायिक राजनीति से आजादी का दिन है। चुनाव ने तोड़ने वाली राजनीति को तोड़ दिया है, जबकि इन परिणाम ने जोड़ने वाली राजनीति को और जोड़ा है। 18वीं लोकसभा में अपने पहले भाषण में अखिलेश यादव ने लगभग हर मुद्दे पर अपनी बात रखी। अपने खास अंदाज में मुस्कुराते हुए उन्होंने कभी शेर पढ़ा तो कभी रामचरित मानस की अर्धाली सुनाई। धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि हारी हुई सरकार सत्ता में है, जनता कह रही है कि यह चलने वाली नहीं, गिरने वाली सरकार है। इसके साथ उन्होंने कहा कि चुनाव ने इंडिया गठबंधन को भी जिम्मेदारी का पैगाम दिया है।

'लोगों की आवाज से चलेगा देश'

करीब आधे घंटे के अपने भाषण में अखिलेश यादव ने अग्निवीर, किसान, एमएसपी, ओपीएस, रोजगार, आरक्षण, पेपरलीक, जाति जनगणना, अर्थव्यवस्था और शिक्षा सहित तमाम मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि इन चुनाव के बाद ऊपर से नीचे की राजनीति का अंत हो गया है। अब नीचे से लोगों की आवाज से देश चलेगा। पैगाम साफ है कि अब मनमर्जी नहीं जनमर्जी चलेगी। प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र बनारस का जिक्र करते हुए कहा कि गंगा के तल में उतरकर उसका दर्द जानना होगा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर HC का CBI को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में मंगलवार (2 जुलाई) को CBI की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने CBI को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। केजरीवाल की ओर से सोमवार (1 जुलाई) को याचिका दाखिल की गई थी। केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 26 जून के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उनको 3 दिन के लिए CBI की रिमांड पर भेजा गया था। फिलहाल केजरीवाल 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं। CBI केजरीवाल के खिलाफ शराब नीति केस में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। इस मामले में CBI ने 26 जून को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। दिल्ली CM शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ में बंद हैं।

प. बंगाल में तृणमूल नेता पर हत्या के प्रयास का आरोप

युगल की पिटाई के मामले में रविवार को किया गया था गिरफ्तार

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा में सड़क पर युगल की पिटाई करने के मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के दबंग नेता तजमुल इस्लाम के खिलाफ पुलिस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि उस पर हत्या का प्रयास, महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला करने और गंभीर चोट पहुंचाने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। तजमुल को सोमवार को उत्तर दिनाजपुर की एक स्थानीय अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। उसके खिलाफ हत्या के एक मामले सहित 12 पुराने आपराधिक मामले भी लंबित हैं। सामने आए एक वीडियो में वह चोपड़ा में एक युगल को बेरहमी से पीटता हुआ दिखाई दे रहा था, जिसके बाद रविवार को उसे गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तजमुल इस्लाम इलाके का दबंग है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड है। 2021 में चोपड़ा में एक हत्या के मामले में उसका नाम सामने आया था। अधिकारियों ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

राज्यपाल पीड़ितों से कूचबिहार में मिले

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस चोपड़ा में युगल की पिटाई की घटना के बाद पीड़ितों से मिलने वहां जाने वाले थे, लेकिन मंगलवार सुबह उन्होंने कूचबिहार में उनसे मुलाकात की। बोस सुबह नई दिल्ली से बागडोगरा पहुंचे और सीधे कूचबिहार चले गए जहां पीड़ित उनका इंतजार कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने कूचबिहार सर्किट हाउस में पीड़ितों से बातचीत कर जानकारी जुटाई। बोस ने सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से युगल की पिटाई के मामले में रिपोर्ट मांगी थी।

भाजपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

भाजपा की चार महिला विधायकों ने चोपड़ा में युगल की पिटाई और कूचबिहार में एक महिला को कथित रूप से प्रताड़ित करने के विरोध में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। आसनसोल से भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल और तीन अन्य विधायकों ने दोनों घटनाओं में शामिल आरोपियों को सजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हमने प्रदर्शन किया, ताकि लोगों को अवगत कराया जा सके कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में पश्चिम बंगाल की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

बिहार आरक्षण बिहार सरकार ने 65% किया था रिजर्वेशन, पटना हाईकोर्ट ने किया था रद्द

कानून रद्द करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची नीतीश सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार आरक्षण कानून रद्द करने के फैसले के खिलाफ नीतीश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। नीतीश सरकार ने ECB, OBC, SC, ST का आरक्षण 50 से बढ़ाकर 60 फीसदी कर दिया था। अब नीतीश सरकार ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बिहार सरकार ने वकील मनीष सिंह के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

जाति आधारित सर्वेक्षण रिपोर्ट

आपको बता दें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार ने पिछले साल जाति आधारित सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर ईबीसी, ओबीसी, दलित और आदिवासी का आरक्षण बढ़ाकर 65 परसेंट कर दिया था। आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों (सवर्ण) को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण को मिलाकर बिहार में नौकरी और दाखिले का कोटा बढ़कर 75 प्रतिशत पर पहुंच गया था। जिसके बाद कई संगठनों ने हाईकोर्ट में बिहार आरक्षण कानून को चुनौती दी थी। 20 जून को पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली दो जजों की बेंच ने बिहार आरक्षण कानून को संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के खिलाफ बताते हुए रद्द कर दिया है। जिसके बाद खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही थी।

इस मामले में कब-कब क्या हुआ?

साल 2022

1 जून : सभी दलों ने सर्वसम्मति से जाति सर्वेक्षण पर फैसला लिया

2 जून : बिहार कैबिनेट ने जाति सर्वेक्षण को हरी झंडी दी

साल 2023

7 जनवरी, 2023 : जाति सर्वेक्षण का पहला चरण 7-15 जनवरी तक आयोजित हुआ

15 अप्रैल : दूसरा चरण 15 अप्रैल से 15 मई तक होना था

4 मई : उच्च न्यायालय ने जाति आधारित सर्वेक्षण पर रोक लगायी

1 अगस्त : पटना HC ने जाति सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, सर्वेक्षण फिर से शुरू हुआ

2 अक्टूबर : बिहार सरकार ने जाति सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए

9 नवंबर : बिहार विधानमंडल ने सर्वसम्मति से कोटा 50% से बढ़ाकर 65% करने के लिए विधेयक पारित किया।

22 नवंबर : बिहार सरकार ने राजपत्र में कोटा वृद्धि को अधिसूचित किया

साल 2024

11 मार्च : पटना हाईकोर्ट ने कोटा वृद्धि को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

20 जून : पटना उच्च न्यायालय ने कोटा वृद्धि को रद्द कर दिया, इसे असंवैधानिक करार दिया

2 जुलाई : पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ नीतीश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

तृणमूल विधायकों ने फिर से शुरू किया धरना

एजेंसी । कोलकाता

राजभवन के बजाय विधानसभा में शपथ दिलाने की मांग कर रहे तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों ने मंगलवार को अपना धरना फिर से शुरू कर दिया। इससे पहले, वे 27, 28 जून और एक जुलाई को धरना पर बैठे थे। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उन्हें राजभवन में शपथ ग्रहण करने के लिए पिछले बुधवार को आमंत्रित किया था। बड़ानगर विधायक सायंतिका बंद्योपाध्याय और भागबंगला विधायक रेयात हुसैन सरकार ने राजभवन में शपथ ग्रहण करने से मना कर दिया। वे दोनों, लोकसभा चुनाव के साथ हुए राज्य विधानसभा उपचुनाव में निर्वाचित हुए थे।